दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 75
मुरादाबाद
05 July 2025
(Saturday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी ने आम महोत्सव 2025 का किया शुभारंभ, 800 प्रजातियों को देखने और चखने का मिलेगा मौका

26 जिलों में 27 इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक क्लस्टर की हुई शुरुआत, ये मिलेंगी सुविधाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम में आयोजित आम महोत्सव 2025 का शुभारंभ कर दिया है। महोत्सव में लोगों को आम की 800 प्रजातियों को देखने और चखने का मौका मिलेगा।लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम में तीन दिवसीय आम महोत्सव का शुभारंभ आज से हो गया है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महोत्सव का शुभारंभ किया। इस महोत्सव में आम की 800 प्रजातियों को देखने और चखने का अवसर लोगों को मिलेगा। इस मौके पर सीएम योगी ने हरी झंडी दिखाकर आम के कंटेनर लंदन और दुबई के लिए रवाना किए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विजन के अनुरूप हमारा किसान आज कृषि की उन्नत तकनीकों को अपना कर लाभ कमा रहा है। आम महोत्सव सिर्फ महोत्सव नहीं है। यह तकनीक के विकास का माध्यम बन रहा है। डबल इंजन की सरकार ने चार पैक हाउस बनाए हैं। इससे निर्यात बढ़ रहा है। औद्यानिक फसलों से जुड़े बागवान को एक्सपोर्ट के लिए प्रशिक्षित करते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का आम विदेश भेजा जा रहा है। भविष्य में इसकी संख्या बढ़ाई जाएगी। उत्तर प्रदेश में 25 से 30 फीसदी जीडीपी कृषि की है। इसे बढ़ा रहे हैं। विकसित भारत की संकल्पना आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड में जल परियोजनाएं आईं। जल की समस्या का समाधान हुआ है। वहां पैदावार बढ़ी है। बहुफसली खेती हो रही है। आलू के बाद मक्का की खेती हो रही है। एक एकड़ मक्का में एक लाख का मुनाफा हो रहा है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित कर रहे हैं। सभी मिलकर खेती और अन्नदाता को आगे बढ़ा रहे हैं। मेडिसिन प्लांट भी लग रहे हैं। इससे आर्थिक समृद्धि आएगी। उन्होंने कहा कि हमें ग्लोबल वार्मिंग की चुनौती से निपटने के लिए तैयार रहना होगा। औद्यानिक विशेषज्ञों को मदद के लिए तैयार रहना होगा। इस मौके पर उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि हमें आम प्रसंस्करण की यूनिट बढ़ाने की जरूरत है जिससे कि पूरे साल प्रदेश के लोगों को आम मिल सके। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में 61 लाख मीट्रिक टन आम का उत्पादन हो रहा है। प्रदेश के सभी जिलों की जलवायु के अनुसार वहां आम की पौध उपलब्ध कराई जा रही है जिससे हर जिले में उत्पादक बनें। इसके लिए 28 करोड़ पौधे नर्सरी से बंटवाए गए हैं। प्रदेश में कृषि और उद्यान के लिए क्षेत्रफल लगातार घट रहा है इसलिए उद्यान विभाग की कोशिश है कि ऐसी फसल उपजाई जाए, जिसमें कम क्षेत्रफल में अधिक मूल्य मिल सके। उन्होंने कहा कि जितने क्षेत्रफल में गेहूं 38000 का होता है उतने क्षेत्रफल में 15 लाख की शिमला मिर्च तैयार होती है। उद्यान मंत्री ने बताया कि किसानों के उत्पादों को दुनिया के बाजार में कम लागत में पहुंचाने के लिए जेवर एयरपोर्ट तैयार किया जा रहा है। जेवर एयरपोर्ट के पास इंटीग्रेडेट टेस्टिंग एवं ट्रीटमेंट पार्क का भी निर्माण किया जा रहा है, जिसके माध्यम से दुनिया के बाजार के अनुरूप प्रदेश के किसानों के उत्पादों को तैयार किया जाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने 26 जिलों में 27 इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक क्लस्टर की वर्चुअल शुरुआत की। यह पहल राज्य के एक्सप्रेसवे कॉरिडोर को औद्योगिक हब में बदलने की दिशा में बड़ा कदम है।योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को अपने सरकारी आवास से 26 जिलों में 27 इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एवं लॉजिस्टिक क्लस्टर (आईएमएलसी) की शुरुआत की। इस मौके पर सभी एक्सप्रेसवे की प्रगति की समीक्षा करते हुए सीएम ने एक्सप्रेसवे को आर्थिक वृद्धि की रीढ़ करार दियामेरठ-हरिद्वार एक्सप्रेसवे की समीक्षा के दौरान सीएम ने सुझाव दिया कि इसका अलाइनमेंट शुकतीर्थ से भी जोड़ा जाए। इस दौरान सीएम ने कहा कि पहली बार प्रदेश में एकसाथ 5 एक्सप्रेसवे के दोनों ओर 13,240 एकड़ से अधिक क्षेत्र में आईएमएलसी की स्थापना हो रही है। उन्होंने कहा कि आज यूपी निवेशकों की पहली पसंद है। ये मिलेंगी सुविधाएं- आईएमएलसी के तहत आकर्षक दरों पर भूखंड, सुगम कनेक्टिविटी, बुनियादी सुविधाएं अनुकूल औद्योगिक वातावरण व श्रम श्रक्ति उपलब्धता। प्रदेश में डिफेंस कॉरिडोर के सभी 6 नोड भी एक्सप्रेसवे के किनारे ही विकसित किए जा रहे हैं। आईएमएलसी नए भारत के नए उत्तर प्रदेश की तस्वीर है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम योगी के आदेश से बाची को मिला दाखिला; अब निजी स्कूल की किताबें और ड्रेस का खर्च परिजनों के लिए चुनौती

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर आरटीई के तहत सीएल गुप्ता वर्ल्ड स्कूल में दाखिला पाने वाली बच्ची के परिजनों की परेशानियां खत्म नहीं हुई हैं। रैपिडो चालक पिता अब महंगी किताबें और ड्रेस न खरीद पाने के कारण परेशान हैं। तीन महीने तक बेटी के एडमिशन के लिए संघर्ष करने के बाद अब पढ़ाई का खर्च उनके लिए चुनौती बन गया है।मुख्यमंत्री के आदेश पर आरटीई के तहत शहर के सीएल गुप्ता वर्ल्ड स्कूल में बच्ची को दाखिला मिलने के बाद भी उसकी मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। बाची के पिता अमित कुमार किताबों की जानकारी करने के लिए स्कूल गए लेकिन महंगी किताबें होने के कारण वह नहीं खरीद सके।वहीं, बेटी के पिछले तीन महीने का कोर्स पूरा कराने की जिम्मेदारी भी माता-पिता के कंधों पर आ पड़ी है। रामगंगा विहार के रहने वाले रैपिडो चालक अमित कुमार तीन महीने तक बेटी के एडिमशन को लेकर परेशान रहे। इसके बाद वह परिवार समेत जनता दर्शन में लखनऊ पहुंच गए तो सीएम योगी आदित्यनाथ के आदेश पर उनकी बेटी को दाखिला मिला।हालांकि, उनकी परेशानी यहीं नहीं खत्म हुई। अब वह बेटी की ड्रेस, किताबें समेत अन्य सामान खरीदने के लिए चिंतित हैं। तीन महीने से अमित कुमार काम पर नहीं जा पा रहे हैं। खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं।

हिंदू पक्षकारों को झटका, ईदगाह से जुड़ी संपत्ति को विवादित घोषित करने से कोर्ट का इनकार

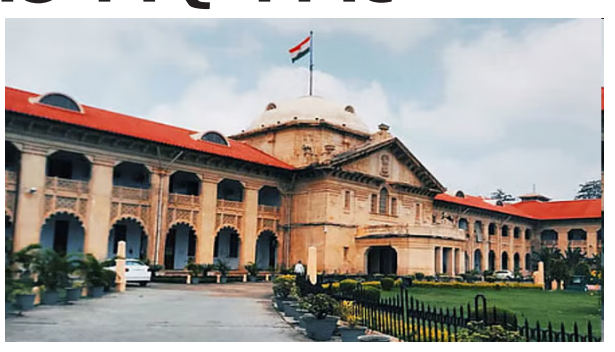

मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मामले में शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद हाईकोर्ट ने कृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह से जुड़ी संपत्ति को विवादित घोषित करने से इनकार कर दिया। मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मामले में शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद हाईकोर्ट ने कृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह से जुड़ी संपत्ति को विवादित घोषित करने से इनकार कर दिया। कोर्ट के इस फैसले से हिंदू पक्षकारों को झटका लगा है। न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की अदालत ने वादी महेंद्र प्रताप सिंह की ओर से दाखिल अर्जी खारिज कर दीश्रीकृष्ण जन्मभूमि व शाही ईदगाह मामले में शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में शाही ईदगाह को विवादित ढांचा घोषित करने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। इससे पहले कोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका पर मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। साथ ही निर्णय के लिए चार जुलाई की तारीख नियत की थी। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में मांग की है कि शाही ईदगाह को विवादित ढांचा घोषित किया जाए, जैसा कि बाबरी मस्जिद प्रकरण में किया गया था।साथ ही दावा किया था कि मथुरा की शाही मस्जिद भी श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मूल गर्भगृह को तोड़कर ही बनाई गई है। हालांकि हिंदू पक्ष की इस मांग पर मुस्लिम पक्ष ने विरोध जताया था। साथ ही कोर्ट में लिखित आपत्ति भी दाखिल की थी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र की कोर्ट ने शाही ईदगाह को विवादित ढांचा घोषित करने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

कंगना रणौत बोलीं: बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचने का प्रयास किया, लेकिन जयराम ने रुकने की दी सलाह

बादल फटने और भारी बारिश से आई बाढ़, भूस्खलन से मची तबाही के बाद प्रभावित क्षेत्रों की सुध नहीं लेने के आरोपों पर सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहीं सांसद कंगना रणौत ने अपना स्पष्टीकरण दिया है।हिमाचल के मंडी जिले के अलग-अलग भागों में सोमवार रात बादल फटने और भारी बारिश से आई बाढ़, भूस्खलन से मची तबाही के बाद प्रभावित क्षेत्रों की सुध नहीं लेने के आरोपों पर सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहीं सांसद कंगना रणौत ने अपना स्पष्टीकरण दिया है। मंडी संसदीय क्षेत्र की सांसद कंगना ने अपने फेसबुक अकाउंट पर जारी एक पोस्ट में लिखा- %हिमाचल में लगभग हर साल बाढ़ से होने वाली तबाही को देखना दिल दहलाने वाला है। मैंने मंडी के सराज और अन्य इलाकों में बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचने की कोशिश की, लेकिन विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर जी ने सलाह दी कि जब तक संपर्क और प्रभावित इलाकों तक पहुंच बहाल नहीं हो जाती, तब तक इंतजार करें।%सांसद कंगना ने आगे कहा कि मंडी डीसी ने आज रेड अलर्ट भी जारी किया है। इस पर अधिकारियों की मंजूरी का इंतजार है, जल्द से जल्द वहां पहुंचूंगी। हालांकि, उनकी इस पोस्ट पर भी लोगों ने कई कमेंट्स किए हैं। एक यूजर ने लिखा- यह प्रतीक्षा करने का समय नहीं है, यह कार्रवाई का समय है, संकट में लोगों के साथ खड़े होने का समय है। ईमानदारी से, यह देरी निराशाजनक है और हमने आपसे ऐसी कोई उम्मीद नहीं की थी। लोगों को आपकी जरूरत जमीन पर है, मंजूरी के पीछे नहीं। कृपया पुनर्विचार करें- आपकी उपस्थिति न केवल राहत ला सकती है बल्कि आशा भी ला सकती है। बता दें, बीते दिन जयराम ठाकुर ने कंगना के आपदाग्रस्त क्षेत्रों में न आने के प्रश्न पर टिप्पणी करने से इन्कार किया था।

ऑपरेशन सिंदूर स्वराज की रक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का बेहतरीन उदाहरण, अमित शाह का बयान

गृह मंत्री अमित शाह ने ऑपरेशन सिंदूर को देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता का उदाहरण बताया और कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो भारत की सेनाएं फिर से इसी तरह साहस दिखाएंगी। उन्होंने पेशवा बाजीराव प्रथम को देश की आजादी की नींव मजबूत करने वाला नायक बताया।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत की सशस्त्र सेनाएं और देश का नेतृत्व %स्वराज% यानी देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस भावना का सबसे अच्छा उदाहरण हाल ही में हुआ ऑपरेशन सिंदूर है। अमित शाह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), पुणे में मराठा योद्धा और प्रधानमंत्री पेशवा बाजीराव प्रथम की घुड़सवार प्रतिमा का अनावरण करने पहुंचे थे।

उन्होंने कहा कि एनडीए में इस प्रतिमा का बनना इसलिए भी खास है क्योंकि यह संस्थान सेना के नेतृत्व की ट्रेनिंग देता है।शिवाजी और बाजीराव से मिलती है प्रेरणा

अमित शाह ने इस दौरान कहा, %जब भी मेरे मन में नकारात्मक विचार आते हैं, मैं शिवाजी और पेशवा बाजीराव को याद करता हूं। वे विपरीत परिस्थितियों में भी स्वराज स्थापित करने में सफल रहे थे।

यह हमें आज के समय में भी प्रेरणा देता है।% उन्होंने कहा कि आज देश का स्वराज 140 करोड़ भारतीयों की जिम्मेदारी है और अगर इसे बचाने के लिए लड़ाई की जरूरत पड़ी, तो हमारी सेनाएं और नेतृत्व पीछे नहीं हटेगा। ऑपरेशन सिंदूर- स्वराज की रक्षा का उदाहरण- गृह मंत्री अमित शाह ने आगे कहा, %जब स्वराज स्थापित करने की जरूरत थी, हमने लड़ाई लड़ी। और जब स्वराज की रक्षा के लिए लड़ाई की जरूरत होगी, तो हम पीछे नहीं हटेंगे।

हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर में यह बात साफ तौर पर दिखी कि हम स्वराज की रक्षा के लिए हमेशा तैयार हैं।% पेशवा बाजीराव को दी श्रद्धांजलि- अमित शाह ने पेशवा बाजीराव प्रथम (1700-1740) को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, %अगर छत्रपति शिवाजी महाराज की तरफ से शुरू की गई आजादी की लड़ाई और पेशवाओं की तरफ से उसे आगे नहीं बढ़ाया गया होता, तो आज भारत की मूल संरचना शायद नहीं बच पाती।

उन्होंने यह भी कहा कि %अपने केवल 40 वर्षों के जीवन में बाजीराव ने ऐसा अमर इतिहास रचा, जो और कोई नहीं कर सका।%एनडीए कैडेट्स से बातचीत इस कार्यक्रम के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने एनडीए के कैडेट्स से मुलाकात की और उनसे बातचीत भी की। उन्होंने कहा कि बाजीराव जैसे योद्धा की प्रतिमा यहां होना देश की रक्षा में युवाओं की भूमिका को और मजबूती देगा।

संपादकीय Editorial

'Aadhaar' of citizenship

West Bengal Chief Minister Mamata Banerjee and MIM leader-MP Owaisi have alleged that the Government of India wants to secretly implement the National Register of Citizens (NRC), as a result of which the citizenship of an unwanted population of Muslims can be cancelled. Mamata Banerjee has also announced that NRC will not be implemented in Bengal. This controversial issue of citizenship is an old one. The NRC exercise was done on an experimental level in Assam and some other states of the Northeast under the supervision of the Supreme Court. Actually, this is neither an unconstitutional campaign nor is the citizenship of Muslims being cancelled. No government has the right to take away citizenship. This has been reiterated many times at the level of the Supreme Court. It is also worth noting that the Government of India has not yet taken a decision on NRC. At present, huge campaigns of census and caste census are in front of us, which have been targeted to be completed by March-April, 2027. By the way, NRC is a format of census. If there is no objection to the census, then why is there a hue and cry over NRC? Actually our topic is that what are the set standards of 'citizenship' of an average Indian? This country is mostly forced to settle in villages, backward areas and flood-rain-prone areas. Many documents are required for 'citizenship', which are difficult to present. In that context, the important question is why 'Aadhaar Card' is not the eligible, standard basis for citizenship? In January 2009, the then Manmohan government had formed the 'Unique Identification Authority of India' and 'Infosys' co-founder Nandan Nilekani was made its first chairman. 'Aadhaar Card' came into effect in September 2010. Today more than 125 crore people of the country have Aadhar Card. Everything is recorded in it - name, father's name, date of birth, address and biometric marks of the person. The word 'identity' is also included in the name of the authority. Today, presentation of Aadhar Card is mandatory for filing income tax returns, operating bank accounts, availing special social security schemes of the government, admission of children in school, investing in mutual funds or stock market, buying SIM cards, joining a job. The government has made it mandatory to link PAN Card and bank accounts with Aadhar. Now, there is a plan to link Voter ID Card with Aadhar Card. If Aadhar Card is such an important and authentic document, then what is the problem in determining someone's citizenship on its basis? Voter ID Card is also a very basic and evidential document. Why has it not been considered as the basis of citizenship? The government has been arguing that Aadhar Card and Voter ID Card are being made fake by a certain gang. This is the failure of the government. Even passports, driving licenses and ration cards are being made fake. Terrorists entered the Parliament House by making fake identities. Why has the government not been able to stop these imitators? This is also a serious challenge for the government. Crores of infiltrator Bangladeshi and Rohingya Muslims are present in the country, they have been active for decades, they must have fake cards, they are also a vote bank, why could the BJP-NDA government not throw them out of the country? Anyway, these campaigns are definitely visible in installments. The documents that the government has accepted as the basis of citizenship can be difficult for migrant workers. Birth certificates can be obtained till school and college, after that the working life begins, who carries such certificates? Where to get the birth certificates of parents? If a person has left his native place and is working in Delhi or any other metropolis, and his parents have also passed

Dangerous anti-Hindi politics: A burden on national unity, integrity and social harmony

The root of anti-Hindi politics in Maharashtra is cheap politics. Political parties and leaders who have lost public support due to the failure of their issues feel that the tried and tested old trick of Marathi identity may perhaps help them sail through the elections in future, but the price they are willing to pay for narrow political gains may prove to be a burden on national unity, integrity and social harmony. In South India, anti-Hindi has often been used as an effective weapon to achieve political interests. Now it seems that it is Maharashtra's turn. Maharashtra is leading among the non-Hindi speaking states where not only Hindi speakers and understanders but also Hindi writers are found in large numbers. The number of Hindi writers and journalists who are basically Marathi speaking is also not less. The Hindi cinema, which is said to have played a major role in the spread of the Hindi language, is centered on Mumbai, the capital of Maharashtra. Numerous people of Marathi origin have earned a big name in Hindi cinema, from film production to acting. Dadasaheb Phalke is called the father of the Indian film industry. The country's most prestigious film award 'Dadasaheb Phalke Award' is given in his memory. Can the story of Hindi cinema be told without V. Shantaram? This list can become very long. In Maharashtra, the decision to teach Hindi in schools under the three-language formula is now being made a big political issue by calling it imposition of Hindi. According to the New Education Policy, 2020, three languages ??will be taught in all government and private schools of the country, out of which two will be Indian and the third foreign. Implementing the three-language formula in line with the new education policy, the Devendra Fadnavis government of Maharashtra decided to teach Marathi, Hindi and English from first to fifth class in all the schools of the state. This was strongly opposed especially by Shiv Sena and Maharashtra Navnirman Sena. Bowing to the illogical opposition motivated by narrow politics, the Mahayuti government also amended its order that students can choose any other Indian language instead of Hindi as the third language along with Marathi and English. Despite this, the anti-Hindi movement in Maharashtra does not seem to stop. Uddhav's Shiv Sena and Raj's Maharashtra Navnirman Sena are now going to hold a joint protest against teaching Hindi in Marathi and English medium schools. To regain his lost political ground, like Uddhav and Raj Thackeray, Sharad Pawar also does not want to miss the opportunity to cash in on the emotional issue of Marathi identity. He has also announced support to the anti-Hindi protest. Similar pressure is visible on other opposition parties as well, because such emotional issues have been outweighing real issues in our electoral politics. Chief Minister Fadnavis has alleged that Uddhav Thackeray, who approved the new education policy during his tenure as Chief Minister, is fanning the anti-Hindi movement only for political gain in the upcoming municipal elections including BMC. It is also true that Shiv Sena, formed by Balasaheb Thackeray, was initially identified as being against the Hindi language and non-Marathi immigrants. Shiv Sena spread its wings in Maharashtra in the name of Marathi identity, but after first forming an alliance with BJP and then a dispute with it, that identity started to fade after forming the Maha Vikas Aghadi government with Congress-NCP. Now that Raj Thackeray as well as Uddhav Thackeray are facing a crisis regarding their political future, both of them are trying to revive Marathi identity by sharpening the issue of Marathi identity through opposition to Hindi. After the assembly elections last year, there have been continuous discussions about unity between the two Thackeray brothers. They have also got their desired issue in the form of opposition to Hindi. The first test of how effective this issue of linguistic narrowness will be in the changing socio-economic environment will be in the elections to be held in the near future for some municipal corporations including the Greater Mumbai Municipal Corporation (BMC). All parties also keep an eye on BMC because its budget is bigger than many states of the country. There is a general belief that it becomes easier for the party in power in BMC to do politics in Maharashtra. The root cause of opposition to Hindi in Maharashtra is cheap politics. Political parties and leaders who have lost public support due to the failure of their issues feel that the tried and tested old bet of Marathi identity may perhaps help them sail through the elections in future, but the price they are willing to pay for narrow political gains may prove to be too much for national unity, integrity and social harmony. In such a situation, the role of the aware citizens of Maharashtra becomes very important. The common people will have to be made to understand that the political parties and leaders who are opposing the teaching of Hindi from first to fifth class as per the new education policy by calling it imposition of Hindi, have never opposed English medium schools in the state. Of course, in this era of the concept of a global village, opposing any foreign language is also not wise, but the conspiracy to pit Indian languages, members of the same large language family, against each other is an unforgivable crime against the country.

The foundation of the constitution has been shaken by the change in the preamble, various political parties are strengthening their own camps

All political parties are neck deep in the minority business that has become a tussle in Indian politics. Hardly anyone will dare to come out of it. It is more likely that everyone will bake their own bread of vote politics on the pretext of making noise about it. There will be talk of community discrimination, there will be arguments and tension. Various political parties will strengthen their own camps in the name of this. That's it. Then the matter will be over. The irony of the politics of independent India can be understood from the condition of the preamble of the constitution. This irony is: playing with words and slogans. Being careless about the dignity, sentiment and duty associated with those words. This is what has been happening in India with all the words like democracy, nationalism, national unity or socialism, secularism. The preamble of the constitution made in 1950 had called India a 'democratic republic'. After 26 years, two words 'secular' and 'socialist' were added to it. Now again after 50 years, there is talk of restoring the preamble. It would not be surprising if this also turns out to be a game of our leaders. The amendment of the original 'preamble' spoiled the entire constitution. This change was made during the 'emergency' of 1975-76, when even the central ministers came to know about the decisions of the Union Cabinet through radio. When opposition leaders were in jail and there was censorship on the press. That amendment was made without proper deliberation. With the cleverness of two-four people, who convinced Indira Gandhi for this. This was a radical distortion of the constitution. For this, consider four facts. First, constitutional experts of the country and abroad considered the original preamble important. The famous British political scientist Sir Ernest Barker had quoted the entire Preamble of the Indian Constitution in place of the preface in his book 'Principles of Social and Political Theory', saying that it contained everything that he could have said for the preface of his book. Secondly, in India too, in political science and law classes, the Preamble was called the 'soul', 'foundation', etc. of the Constitution. Tampering with it was like interfering with its foundation. The foundation is not something to be changed.

Thirdly, in 1960, the Supreme Court also called the Preamble a guiding principle. The original Preamble was a standard scale. Who has ever heard of tampering with the scale? Fourthly, in 1973 too, the Supreme Court declared the original Preamble as the 'basic structure' of the Constitution in the Kesavananda Bharati case. Making any change in it was shaking the foundation. It is clear that the change in the Preamble ruined the Constitution. The 'basic structure' of the Constitution was the 1950 Preamble. Therefore, the change made in 1976 was an attack on it. Also because it was a conceptual amendment. 'Socialist' and 'Secular' were not concepts that the Constitution makers were unaware of. The issue of adding these two words was also discussed in the Constituent Assembly, but their need was not felt. At that time, Socialism was a famous ideology in the whole of Europe, where many of our Constitution makers had studied. It was a well-thought-out decision by them not to call the Indian Republic 'Secular' or 'Socialist'. Ambedkar had flatly rejected the proposal to add the above two words in the Constitution. On 15 November 1948, KT Shah presented a proposal in the Constituent Assembly to add 'Secular, Federal, Socialist' in the Constitution. Rejecting this, Ambedkar had said, "It is not right to bind people to any particular type of structure." The consensus of the Constituent Assembly was what Ambedkar had said. He had said that the sections and spirit of the Constitution are already secular and imbued with the spirit of common public interest. Despite this clear record, 'Socialist', 'Secular' were added to the Constitution Preamble by the 42nd Amendment in 1976. The reason for this was something else. It is unfortunate and understandable that the Janata Party government that came later, which included non-Congress parties like Lohiaites, Jan Sangh, Swatantra Party, etc., also allowed the distortion of the Preamble to remain. That government removed numerous things of the 42nd Amendment by making the 44th Amendment to the Constitution in 1978. Thus, all parties played a role in ignoring the Preamble of the Constitution. This should be kept in mind. Due to unnecessary changes in the Preamble of the Constitution, the work of changing the character of the Constitution began. As a result of this, an anti-Hindu mentality developed in Indian politics, which Gradually, it badly bit the entire political-educational life. After adding the word 'secular' in the preamble of the constitution, all the Indian leaders knowingly or unknowingly changed its meaning and practice to make Hindus second class citizens in India. They made both the words 'minority' and 'secular' a tool for their vote politics. This not only destroyed the constitution but also natural justice and morality. Since all this happened undeclaredly and gradually, it was a double betrayal of the people of the country. Almost all the parties of the country silently decided to give all kinds of special facilities, special rights etc. only to non-Hindus under the guise of secularism and minorityism. Therefore, the common people had no means to see any problem in it and to oppose it. The real intention of most of the leaders was to get bulk votes of a particular community. For this, they silently deprived the Hindu society. For this, they distorted and corrupted the constitution so that they could have an excuse for their greed for votes. Now, that distortion in the preamble of the constitution has to be corrected. Hope to leave is futile. Burden All political parties are neck deep in the minority business that has become a part of the politics. Hardly anyone will dare to come out of it. It is more likely that everyone will use this noise to try to gain their own vote bank politics. There will be talk of communal discrimination, verbal spats and tension. Various political parties will strengthen their own camps in the name of this. That's it. Then the matter will be over.

बेटे पर संकट के नाम पर ठग ले गए कुंडल व बालियां

निराकरण नहीं कराने पर जा सकती है जान सुन घबरा गई महिला

ठाकुरद्वारा- दो तांत्रिक युवकों के झांसे में आकर बेटे का संकट उतारने के नाम पर महिला सफाई कर्मी लाखों रुपये के आभूषण गवां बैठी। होश में आने पर उसे ठगी का एहसास हुआ। वह रोने लगी तो वहां भीड़ एकत्र हो गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला से पूछताछ कर युवकों की तलाश की लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की। कोतवाली क्षेत्र के गांव रामनगर खागू वाला निवासी बबली पत्नी रिषिपाल एक निजी अस्पताल में सफाई कर्मी है। गुरुवार को दोपहर बाद वह अस्पताल जा रही थी। मुस्लिम इंटर कॉलेज के पास पीछे से आए दो युवकों ने उसे रोक लिया और कहा कि आप बहुत परेशान है। आपके बेटे पर भारी संकट है। निराकरण नहीं कराया तो उसकी जान भी जा सकती ह

इस पर महिला घबरा गई। युवकों ने आड़ में ले जाकर उसके कान में मंत्र पढ़ा। उसके बाद वह अपनी सुध-बुध गंवा बैठी। इसी दौरान आरोपियों ने महिला सफाई कर्मी के दोनो कानों के दो सोने के कुंडल व आठ बलियां उतरी और कहा कि इस बोतल में कहीं से जल ले आओ। महिला बोतल लेकर जल लेने के चली गई कुछ देर बाद जब वह वापस लौटी तो दोनों युवक और उसकी बालियां व कुंडल गायब थे।

वह रोने लगी तो वहां भीड़ एकत्र हो गई। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पूछताछ कर आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज देखे। महिला ने पुलिस को तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की। अब तक नगर में देहात क्षेत्र से एक दर्जन से अधिक महिलाएं तांत्रिक ठाकुर की शिकार हो चुकी है लेकिन कार्रवाई किसी मामले में नहीं हो पाई।

रामपुर पुलिस का कारनामा: जिसकी 16 साल पहले हो चुकी मौत, उसके खिलाफ भी केस, पेड़ों को लेकर हुआ था विवाद

शिकायतकर्ता सोनू ने बताया कि पहले हमारी ओर से मुकदमा दर्ज किया गया था, जिस वजह से विपक्षी ने हम लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया है, जिसमें सूरज पुत्र रामचरण का भी नाम है। उनकी मृत्यु अब से 16 साल पहले हो चुकी है। पुलिस ने एक ऐसे व्यक्ति के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कर लिया है, जिसकी मौत 16 साल पहले हो चुकी है। खेत में लगे पेड़ों को लेकर विवाद है। इस मामले में दूसरे पक्ष ने भी मुकदमा कराया है।27 जून को पटवाई निवासी रामपाल ने गांव के पांच लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उनका कहना है उनके ही खेत पर पेड़ लगे हुए है। आरोप है गांव के सोनू, सूरज, प्रशांत, सनी, महीपाल उन पेड़ों को अपना बता रहे हैं। खेत पर बने पक्के ठियों को भी तोड़ दिया है। विरोध किया तो सभी लोग लाठी ठंडे लेकर आ गए और गालियां दीं। रिपोर्ट में नामजद सूरज की मृत्यु 16 वर्ष पहले हो चुकी है। शिकायतकर्ता रामपाल का कहना है सूरज नाम गलती से लिख गया था। यह सच है उनकी मृत्यु हो चुकी है। उस नाम को हटवाने के लिए थाने बात हो चुकी है। इसी मामले में 27 जून को ही दूसरे पक्ष के पटवाई निवासी सोनू की और से भी चार नामजद व पांच अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। उनका आरोप है खेत पर लगे पेड़ों को गांव के रामपाल, नितिन, नितेश, अवदेश व पांच अज्ञात लोग काट रहे थे। विरोध किया तो सभी मारने को दौड़ पड़े। किसी तरह वहां से जान बचा कर भागा गया। शिकायतकर्ता सोनू ने बताया कि पहले हमारी ओर से मुकदमा दर्ज किया गया था, जिस वजह से विपक्षी ने हम लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया है, जिसमें सूरज पुत्र रामचरण का भी नाम है। उनकी मृत्यु अब से 16 साल पहले हो चुकी है। ग्राम प्रधान नसीम बानो की ओर से बताया गया है कि पटवाई निवासी सूरज पुत्र रामचरण की मृत्यु करीब 16 वर्ष पहले हो चुकी है। थाना प्रभारी संदीप मिश्रा ने बताया कि इस मामले में तहरीर के आधार पर रिपोर्ट की गई है। जांच की जा रही है। जांच में किसी की मृत्यु हुई पाया गया तो वह नाम निकाल दिया जाएगा।

निहाल हत्याकांड में नया अपडेट... मंगेतर गुलफशां को क्लीन चिट, बयानों को ही माना सबूत

पुलिस ने मंगेतर को भी थाने बुलाया था, जिसके बाद उससे पूछताछ की थी। पुलिस को पूछताछ में मंगेतर गुलफशां ने बताया था कि आरोपी सद्दाम उससे प्यार करता था लेकिन वह उससे प्यार नहीं करती थी।शादी से एक दिन पहले हुई निहाल की हत्या के मामले में पुलिस ने उसकी मंगेतर गुलफशां के बयान को सबूतों का आधार मानते हुए उसे क्लीन चिट दे दी है। पुलिस ने इस हत्याकांड में गुलफशां का हाथ न होने की बात कही है। पुलिस ने इसके अलावा एक अन्य आरोपी अनीस को घटना के वक्त केरल में होने की बात मानते हुए उसे भी क्लीन चिट दे दी है। पुलिस ने इस मामले में जेल भेजे गए मुख्य आरोपी सद्दाम और फरमान के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। अब इस मामले में कोर्ट में सुनवाई होगी। गंज कोतवाली के मोहल्ला गूजर टोला घेर रहमत खां स्थित फकीरों वाला फाटक निवासी निहाल 14 जून को घर से गायब हो गया था। 15 जून को उसका निकाह था। उसकी शादी भोट थाना क्षेत्र के धनुपुरा गांव में गुलफशां से तय हुई थी। लेकिन, शादी से एक दिन पहले उसका शव अजीमनगर क्षेत्र के रतनपुरा के जंगल में मिला था, जिसके बाद पुलिस ने मंगेतर समेत चार लोगों पर केस दर्ज किया था। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से दो आरोपियों को पकड़ लिया था। जबकि, मंगेतर और अन्य युवक के खिलाफ साक्ष्य जुटाए गए। लेकिन, पूछताछ और सीसीटीवी कैमरे को चेक करने पर सद्दाम और फरमान बाइक पर ही जाते मिले थे। जबकि, अन्य दो लोग इसमें शामिल नहीं पाए गए। वहीं, पुलिस ने मंगेतर को भी थाने बुलाया था, जिसके बाद उससे पूछताछ की थी। पुलिस को पूछताछ में मंगेतर गुलफशां ने बताया था कि आरोपी सद्दाम उससे प्यार करता था लेकिन वह उससे प्यार नहीं करती थी। इसी एक तरफा प्यार के कारण ही उसने निहाल की हत्या की। पुलिस ने इन्हीं बयान के आधार और अन्य सभी साक्ष्य शामिल करते हुए अब चार्जशीट दाखिल कर दी है। निहाल की हत्या के मामले में मंगेतर और अनीस की भूमिका की पुलिस ने जांच की। दोनों की इस हत्याकांड में कोई भूमिका नहीं पाई गई। इस पर पुलिस ने दोनों के नाम मुकदमे से निकाल दिए हैं। जबकि,जेल में बंद सद्दाम और फरमान के खिलाफ चार्जशीट लगा दी है। - पवन कुमार शर्मा, प्रभारी निरीक्षक गंज कॉल डिटेल में भी नहीं मिले सबूत गंज थाना प्रभारी पवन शर्मा ने बताया कि इस प्रकरण में गुलफशां और सद्दाम की कॉल डिटेल खंगाली गई,लेकिन कॉल डिटेल में भी कोई सबूत हाथ नहीं लगा है। खुद को चचेरा साला बताकर किया था निहाल का अपहरण पुलिस के मुताबिक सद्दाम ने अपने एक अन्य साथी फरमान के साथ मिलकर निहाल को फोन किया था,जिसमें उसने खुद को निहाल का चचेरा साला बताते हुए उसके कपड़ों का साइज दिलाने का बहाना बनाकर बुलाया और फिर अपहरण कर उसकी हत्या कर दी।

बनियाठेर में चोर आए.. तीन घरों और फैक्टरी से उड़ाया माल, सोते रहे मालिक, पुलिस को बताया तो उड़े होश

संभल जिले के एक रात में गांव नेहटा के तीन घरों, गांव गुमथल की एक सीमेंट की दुकान और न्यू बाईपास स्थित दो फैक्ट्रियों में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया गया। चोरों ने नकदी समेत अन्य सामान ले उड़े। पुलिस मामले की जांच कर रही है।बनियाठेर एक सीमेंट की दुकान और न्यू बाईपास स्थित दो फैक्टरियों तहरीर देकर चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। वहीं, के गांव गुमथल निवासी सुधीर गुप्ता ने बताया कि उनकी आठ बजे वह दुकान बंद कर अपने घर को चले गए थे। तो दुकान की पीछे की दीवार पर लगी खिड़की टूटी पड़ी के अंदर घुस आए और गुल्लक में रखी नकदी और सीसीटीवी मोहल्ला कायस्थान निवासी लोकेश वार्ष्णेय की न्यू बाईपास बृहस्पतिवार सुबह जब सुपरवाइजर फैक्टरी में मशीन बॉक्स बॉक्स के अंदर रखी पांच वेल्डिंग मशीन, एक ग्राइंडर, एक सूचना पुलिस को देते हुए कार्रवाई की मांग की है। यहीं कि बृहस्पतिवार सुबह जब उनका कर्मचारी फैक्टरी पर रखी मशीन का केबल, पंखा, एक कांटा सहित अन्य सामान पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बुधवार रात वह परिवार के सदस्यों के साथ घर के बरामदे में सो रहा था। रात में किसी समय चोर उसके मकान की पीछे की दीवार पर नकब लगाकर कमरे में बक्से में रखे सोने-चांदी के जेवर और नकदी अपने साथ ले गए। इसी गांव के अफसर ने बताया कि वह भी परिवार के साथ बरामदे में सो रहा था। रात में किसी समय चोर उसके घर में प्रवेश कर एक और कमरे में रखे बक्से से एक जोड़ी पाजेब व अन्य सामान चोरी कर ले गए। उन्हें सुबह जगने पर इसकी जानकारी हुई। इसी गांव की कैला देवी ने बताया कि उनके गांव में दो मकान है। उसके दूसरे बंद पड़े मकान के ताले तोड़कर चोर बर्तन सहित अन्य सामान ले गए। पुलिस का कहना है कि मामलों की जांच की जा रही है। जल्द ही चोरों को गिरफ्तार किया जाएगा।

में चोरों ने गांव नेहटा के तीन घरों व गांव गुमथल की को अपना निशाना बना लिया। पीड़ितों ने पुलिस को पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अपनी जांच की।थाना क्षेत्र गांव में ही सीमेंट की दुकान है। बुधवार रात करीब अगले दिन सुबह आठ बजे जब उन्होंने दुकान खोली, थी।दुकानदार ने बताया कि चोर खिड़की तोड़कर दुकान की डिवाइस अपने साथ ले गए। वहीं, चंदौसी के पर लोहे के सामान की फैक्टरी है। उन्होंने बताया कि खोलने पहुंचा, तो उसके ताले टूटे पड़े थे। साथ ही, गैस कटर, रेग्युलेटर व केबल गायब था। उन्होंने इसकी पास में सारिका वार्ष्णेय की फैक्टरी है। उन्होंने बताया गया, तो वहां टिन उखड़ा पड़ा था और उसके अंदर गायब था। साथ ही, गांव नेहटा निवासी सतपाल ने

मुस्लिम समाज के लोगों ने खुद ही ढहा दी मस्जिद, प्रशासन ने इसलिए जारी किया था नोटिस

ऐंचोड़ा कंबोह गांव में करीब 35 वर्ष पुरानी मस्जिद को मुस्लिम समाज के लोगों ने प्रशासन के निर्देश पर स्वयं ही गिरा दिया। तहसीलदार न्यायालय के आदेश के तहत राजस्व विभाग की टीम ने मस्जिद की नाप कर इसे अवैध घोषित किया था। सिंहपुरसानी के गांव कल्कि धाम के नजदीक स्थित मस्जिद को बृहस्पतिवार को मुस्लिम समाज की जमीन पर बनी थी। प्रशासन की ओर से इसको हटाने के लिए नोटिस की गई है। मस्जिद की देखभाल करने वाले नूर हसन ने बताया कि तहसीलदार मस्जिद की नापतौल की थी। टीम ने खलिहान की भूमि पर बताते हुए निर्माण गए थेमुस्लिम समाज ने मस्जिद को हटाने का कार्य शुरू कर दिया था। को हटा दिया है। बचे हुए निर्माण को जेसीबी की मदद से जल्द ही हटा दिया निर्माण की गई थी। इस गांव में दो मस्जिद हैं। एक मस्जिद 50 वर्ष से भी करीब 35 वर्ष पहले निर्माण की गई थी। अवैध तरीके से बनी मस्जिद को हटाने के लिए समय दिया गया था। बृहस्पतिवार से मुस्लिम समाज के लोगों ने खुद ही मस्जिद को ढहाना शुरू कर दिया है। अन्य जो अवैध निर्माण हैं तहसील क्षेत्र में उनको भी समय दिया गया है। -विकास चंद्र, एसडीएम, संभल

ऐंचोड़ा कंबोह में सैदनगली-मनोटा मार्ग किनारे श्री के लोगों ने खुद ही ढहा दिया है। यह मस्जिद खलिहान जारी किया गया था।साथ ही धारा 67 के तहत कार्रवाई न्यायालय के आदेश पर राजस्व विभाग की टीम ने को अवैध घोषित किया, फिर इसे हटाने के निर्देश दिए बृहस्पतिवार को क्रेन की मदद से मस्जिद की मीनार जाएगा। मालूम हो यह मस्जिद करीब 35 वर्ष पहले ज्यादा पुरानी बताई जाती है। जबकि यह गांव के बाहर

संक्षिप्त समाचार

शराब कारोबारी के बेटे व पोते समेत परिवार के सदस्यों पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट

कटघर थाना क्षेत्र निवासी पार्टनर ने चड्ढा परिवार पर लगाए जालसाजी करने के आरोप

मुरादाबाद- महानगर के नामी शराब कारोबारी हरभजन सिंह चड्ढा के बेटे गुरजीत सिंह चड्ढा, पोते हरवीर सिंह चड्ढा, पत्नी जसप्रीत गौर और पोते की पत्नी तमन्ना चड्ढा समेत चार नामजद और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में धोखाधड़ी और जालसाजी की रिपोर्ट दर्ज की गई है। यह मुकदमा कटघर क्षेत्र निवासी उनके पार्टनर गोपाल मिश्रा की तहरीर पर एसएसपी के आदेश पर लिखा गया है। जिसमें गोपाल मिश्रा ने पार्टनरशिप डीड के खिलाफ जाकर चड्ढा डवलपर्स नाम से बनी फर्म की करोड़ों रुपये की संपत्ति का गोलमाल करने का आरोप लगाया है। थाना कटघर क्षेत्र के गाड़ीखाना निवासी गोपाल मिश्रा ने एसएसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि 13 जुलाई 2010 को उन्होंने हरभजन सिंह चड्ढा व उनके पोते हरवीर सिंह चड्ढा के साथ पार्टनरशिप हुई थी। इसके माध्यम से मेसर्स चड्ढा डवलपर्स कंपनी बनाई गई। पीड़ित के अनुसार इसमें हरभजन व हरवीर 37.5-37.5 फीसदी के और वह खुद 25 फीसदी के हिस्सेदार थे। अनुबंध 10 में यह स्पष्ट प्रावधान था कि यदि किसी पार्टनर की मृत्यु हो जाती है तो यह पार्टनरशिप कैंसिल हो जाएगी। दर्ज रिपोर्ट में गोपाल मिश्रा ने बताया कि उक्त फर्म के पार्टनर रहे हरभजन की 22 दिसंबर 2020 को मृत्यु हो गई। अनुबंध की शर्तों के अनुसार उनकी मौत के बाद से पार्टनरशिप डीड स्वयं भंग हो गई। गोपाल मिश्रा के अनुसार हरभजन की मौत के बाद उन्होंने फर्म के दूसरे पार्टनर हरभजन के पोते हरवीर सिंह से मिलकर पुरानी फर्म की जगह नई फर्म गठित करने को कहा ताकि संपत्तियों का निस्तारण हो सके। आरोप लगाया कि कई बार कहने के बावजूद हरवीर टालमटोल करते रहे। उनके पिता गुरजीत से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने भी ध्यान नहीं दिया। आरोप लगाया कि हरवीर और गुरजीत ने फर्म की सारी संपत्ति को हड़पने के उद्देश्य से बिना सहमति लिए कूटरचित दस्तावेज के सहारे मेसर्स चड्ढा डवलपर्स के नाम से बना ली। 16 अप्रैल 2018 का पूर्व में किए गए विक्रय अनुबंध से करीब 1.91 करोड़ रुपये जो पुरानी फर्म के बैंक ऑफ इंडिया के रामपुर ब्रांच के खाते में दिया गया था। उसे आरोपियों ने अपनी नई फर्म मेसर्स पड्ढा डवलपर्स के नए बैंक अकाउंट प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक गांधीनगर ब्रांच में 1.91 करोड़ रुपये वापस लेकर फर्जी तरीके से नई फर्म से नई फर्म से पूर्व में 16 अप्रैल 2018 को हुए विक्रय अनुबंध को निरस्त कराए बगैर हरवीर सिंह चड्ढा को रजिस्ट्री कर दिया। इसके अलावा 28 अप्रैल 2025 को हरवीर सिंह चड्ढा ने सरोज सिनेमा के नाम से जिसमें गोपाल मिश्रा का 25 फीसदी हिस्सा था उसका कुछ हिस्सा हरवीर ने अपनी पत्नी तमन्ना चड्ढा के नाम कूटरचित दस्तावेज से बैनामा कर दिया। आरोप लगाया कि इसी तरह इन सभी ने मिलकर पार्टनरशिप डीड खत्म होने के बावजूद उसके गठित फर्म मेसर्स चड्ढा डवलपर्स की करोड़ों की संपत्ति का गोलमाल किया है। इस संबंध में एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर चार नामजद और अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में केस दर्ज किया गया है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएगा उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

फिर चर्चा में संभल की सत्यव्रत पुलिस चौकी, हाईटेक कंट्रोल रूम से होगी इस बार कांवड़ यात्रा की निगरानी

संभल की सत्यव्रत पुलिस चौकी में नया जिला कंट्रोल रूम कांवड़ यात्रा से पहले शुरू किया जाएगा। यह कदम नवंबर में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुए बवाल के बाद सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए उठाया गया है। दो करोड़ रुपये से अधिक की लागत से लगे सीसीटीवी कैमरों की निगरानी भी यहीं से होगी। संभल की सत्यव्रत पुलिस चौकी एक बार फिर से चर्चा में है। पुलिस का जिला कंट्रोल रूम कांवड़ यात्रा से पहले चालू हो जाएगा। एएसपी राजेश कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि कुछ उपकरण बाहर से मंगवाए गए हैं। उन्हें जल्द लगाकर कांवड़ यात्रा से पहले कंट्रोल रूम चालू कर दिया जाएगा।दरअसल, 24 नवंबर को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान बवाल हुआ था। इसमें पुलिस पर पथराव, फायरिंग की गई थी। आगजनी की घटनाएं भी हुई थीं। पांच लोगों की मौत हो गई थी। 29 पुलिसकर्मी चोटिल हुए थे।इस बवाल के बाद ही संभल शहर में पुलिस की चौकसी लगातार बनी हुई ह

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सर्विलांस सेल और पुलिस ने जिले भर से गुम हुए 50 लाख के 266 मोबाइल लौटाए , लोगों के चेहरे पर आई मुस्कराहट

थाना सुभाष नगर सहित सात को दो-दो हजार पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच - पं सत्यमशर्मा

बरेली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के दिशा निर्देशन में जिले में प्रत्येक महीने गुम हुई मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए विशेष अभियान के अंतर्गत रिजर्व पुलिस लाइन स्थित रविंद्रालय सभागार में पुलिस अधीक्षक उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा ने स्वयं मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को लौटाए। खोए हुए मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरों पर खुशी झलक रही थी। लोगों ने बरेली वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य की इस पहल को लेकर धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने उम्मीद ही छोड़ दी थी, मगर मोबाइल वापस मिलना किसी उपहार से कम नहीं है। एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देशन में हर महीने खोए मोबाइलों की बरामदगी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत मई में सर्विलांस टीम और जिलेभर के थानों की कंप्यूटर सेल ने मिलकर सीईआईआर पोर्टल और तकनीकी मदद से मोबाइल ट्रैक किए और उन्हें मालिकों तक पहुंचाया। मोबाइलों की बरामदगी में हमेशा की तरह पुलिस की सर्विलांस सेल अव्वल रही जिसने 30 मोबाइल खोज की।दूसरे नंबर पर इज्जतनगर से 17, नवाबगंज और सीबीगंज से 16-16 मोबाइल बरामद हुए। किला से 14, कोतवाली, बारादरी और भमोरा से 15-15, सुभाषनगर से 12, और बहेड़ी थाना पुलिस ने 13 मोबाइल खोजकर बरामद किए।थाना सुभाष नगर के संदीप कुमार, किला मुकेश कुमार, सीबीगंज सोहेल खां, भमोरा नाजिम हुसैन, अलीगंज मौ0 अराफात, फतेहगंज पूर्वी जतिन सक्सेना,थाना नवाबगंज से प्रीतम सिंह सहित सात कंप्यूटर ऑपरेटरों को दो-दो हजार का नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया जाएगा

लेखपाल ने की आत्महत्या की कोशिश, अस्पताल में भर्ती, पुलिस ने प्रेमी को हिरासत में लिया

क्यूँ न लिखूँ सच - पं सत्यमशर्मा

बरेली । फरीदपुर तहसील में तैनात एक महिला लेखपाल ने नवाबगंज कस्बा स्थित मकान में फंदा लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। वहां उसके साथ मौजूद प्रेमी ने उसे फंदे से उतारकर अस्पताल में भर्ती कराया है। महिला लेखपाल की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। उसके पति ने नवाबगंज पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने लेखपाल के प्रेमी को हिरासत में लिया है। नवाबगंज के एक गांव की रहने वाली महिला लेखपाल की शादी बरेली के एक मोहल्ले में हुई थी। लेखपाल इस वक्त फरीदपुर तहसील में तैनात हैं। इससे पूर्व पीलीभीत के जहानाबाद क्षेत्र में तैनात थी। इसी दौरान उसका जहानाबाद के ही एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग हो गया। युवक ने नवाबगंज में ही अपना लेखपाल के साथ रहने का ठिकाना बना लिया। वह दोनों अक्सर वहां जाकर रुकते थे। महिला के लेखपाल साथियों के अनुसार वह बीते दिवस फरीदपुर तहसील में ड्यूटी करने के लिए घर से निकली थी। तहसील नहीं पहुंची, जिसके बाद लोगों ने उसे कॉल करना शुरू किया। उसके मोबाइल फोन पर रिंग तो जा रही थी लेकिन फोन नहीं उठ रहा था। इसके बाद अधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए उसकी लोकेशन निकलवायी। उसकी लोकेशन नवाबगंज में मिल रही थी। अस्पताल में भर्ती मिली महिला लेखपाल तहसील प्रशासन के दखल के बाद नवाबगंज थाना पुलिस ने उसे तलाशा तो वह नगर के एक अस्पताल में भर्ती मिली। पुलिस पूछताछ के बाद पता चला कि महिला ने नवाबगंज में ही फंदे से लटककर आत्महत्या करने का प्रयास किया। उसके प्रेमी ने अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने उसके प्रेमी को हिरासत में ले लिया है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

गांव में चल रहा था देह व्यापार का धंधा, चार महिलाओं समेत 5 गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच - पं सत्यमशर्मा

बरेली। बरेली जिले में नवाबगंज क्षेत्र के एक गांव में पुलिस ने देह व्यापार का भंडाफोड़ कर चार महिलाओं समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि छापेमारी के दौरान 3200 रुपये, चार मोबाइल फोन और आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की है। पुलिस को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि नवाबगंज क्षेत्र एक गांव में देह व्यापार का धंधा चल रहा है। मुखबिर की सटीक सूचना पर नवाबगंज के सीओ गौरव सिंह और थाना प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापा मारा। मौके पर मकान मालकिन समेत चार महिलाएं और एक युवक आपत्तिजनक हालत में मिले। पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया। पुलिस पूछताछ में मकान मालकिन ने कबूला कि वह ही इस धंधे की सरगना है। उसने बताया कि वह अपने मकान में किराये पर कमरा देकर महिलाओं के साथ मिलकर देह व्यापार करवाती थी। पुलिस ने इनके खिलाफ अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया, जहां से सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है और यह भी जांच की जा रही है कि कहीं यह गैंग अन्य जिलों में भी सक्रिय तो नहीं।

अपराधियों का योगी सरकार मे हौसला बुलंद दिनदहाड़े कर रहे हत्या!

क्यूँ न लिखूँ सच - पं सत्यमशर्मा

प्रयागराज के नैनी थाना क्षेत्र के एग्रीकल्चर पुलिस चौकी के अंतर्गत में रहने वाले मोहम्मद सीबू उम्र 40 साल की धारदार हत्या हथियार से हुई हत्या। हत्या का कारण ई रिक्शा की खरीद के पैसे को लेनदेन को लेकर हुई है। बताया जा रहा है कि मोहम्मद शाबू अपना ई रिक्शा किसी अज्ञात व्यक्ति को ?50000 में बेच दिया था और इस खरीद फरोख्त का पैसा लेने वह प्रयागराज रीवा हाईवे पर स्थित राजपूत ढाबे पर पहुंचा।जहां पर पहले से ही घात लगाकर बैठे हत्यारे ने धारदार हथियार से उसे पर हमला कर दिया जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई इसके बाद परिवार वालों ने शव को राष्ट्रीय राजमार्ग पर रखकर जाम लगा दिया घरवालों का कहना है कि हत्या करने वाले व्यक्ति की गिरफ्तारी हो मृतक के आश्रितों को ?50000 नगद एवं अन्य सहायता दी जाए इसके बाद ही यह जाम हटाया जाएगा मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद है और लगातार परिवार से बातचीत कर रही है ताकि यह जाम हटाया जा सके लेकिन परिवार वाले मानने को तैयार नहीं है।

स्कूल विलय का विरोध में सड़क पर उतरे सैकड़ों शिक्षक सरकार के इस फैसले के खिलाफ भरी हुंकार

क्यूँ न लिखूँ सच
पं सत्यमशर्मा

बरेली।शुक्रवार को सड़कों पर शिक्षकों का सैलाब उमड़ पड़ा। परिषदीय स्कूलों के विलय के विरोध में %शिक्षा बचाओ मोर्चा% के बैनर तले शिक्षकों ने गांधी उद्यान से बाइक रैली निकाली। यह रैली सरकार के उस फैसले के खिलाफ है, जिसमें 50 से कम छात्रों वाले विद्यालयों को दूसरे स्कूलों में विलय करने की योजना है। शिक्षकों का कहना है कि यह फैसला शिक्षा व्यवस्था को सुधा %सरकार नहीं मानी तो लखनऊ तक गूंजेगी आवाज% रैली का नेतृत्व कर रहे प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष नरेश गंगवार ने कहा कि यह तो बस शुरुआत है। अगर सरकार ने हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दिया और जबरन विलय थोपने की कोशिश की, तो बरेली से लखनऊ तक और बड़े आंदोलन किए जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी शिक्षकों पर विलय के लिए सहमति देने का दबाव बना रहे हैं, जो पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह कदम शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने वाला है। परिषदीय स्कूलों के विलय का विरोध तेज होता जा रहा है। बरेली में शुक्रवार को सैकड़ों शिक्षकों ने एकजुट होकर सरकार के फैसले का विरोध किया। बैनर लेकर नारेबाजी करते हुए बाइक रैली निकाली। बरेली में सड़कों पर शुक्रवार को शिक्षकों का सैलाब उमड़ पड़ा। परिषदीय स्कूलों के विलय के विरोध में %शिक्षा बचाओ मोर्चा% के बैनर तले शिक्षकों ने गांधी उद्यान से बाइक रैली निकाली। यह रैली सरकार के उस फैसले के खिलाफ है, जिसमें 50 से कम छात्रों वाले विद्यालयों को दूसरे स्कूलों में विलय करने की योजना है। शिक्षकों का कहना है कि यह फैसला शिक्षा व्यवस्था को सुधारने की बजाय उसे और कमजोर करेगा। %सरकार नहीं मानी तो लखनऊ तक गूंजेगी आवाज% रैली का नेतृत्व कर रहे प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष नरेश गंगवार ने कहा कि यह तो बस शुरुआत है। अगर सरकार ने हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दिया और जबरन विलय थोपने की कोशिश की, तो बरेली से लखनऊ तक और बड़े आंदोलन किए जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी शिक्षकों पर विलय के लिए सहमति देने का दबाव बना रहे हैं, जो पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह कदम शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने वाला है। परिषदीय स्कूलों के विलय के विरोध में %शिक्षा बचाओ मोर्चा% के बैनर तले शिक्षकों ने गांधी उद्यान से बाइक रैली निकाली। यह रैली सरकार के उस फैसले के खिलाफ है, जिसमें 50 से कम छात्रों वाले विद्यालयों को दूसरे स्कूलों में विलय करने की योजना है। शिक्षकों का कहना है कि यह फैसला शिक्षा व्यवस्था को सुधारने की बजाय उसे और कमजोर करेगा। %सरकार नहीं मानी तो लखनऊ तक गूंजेगी आवाज% रैली का नेतृत्व कर रहे प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष नरेश गंगवार ने कहा कि यह तो बस शुरुआत है। अगर सरकार ने हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दिया और जबरन चौराहे, स्टेडियम और श्याम गंज से वापस गांधी उद्यान पर समाप्त हुई। रैली के दौरान शिक्षकों ने हाथों में तख्तियां और बैनर ले रखे थे, जिन पर विलय विरोधी नारे लिखे थे। पूरे मार्ग पर %शिक्षा बचाओ%, %विलय बंद करो%, %शिक्षकों का उत्पीड़न बंद करो% जैसे नारे गूंजते रहे, जिससे शहर में एक जोरदार संदेश गया। बरेली के 617 विद्यालयों किए जाएंगे विलय - बेसिक शिक्षा विभाग ने बरेली जिले के 617 विद्यालयों को विलय के लिए चिह्नित किया है। इनमें से चौंकाने वाली बात यह है कि 153 स्कूलों के विलय पर प्रारंभिक मुहर भी लग चुकी है। सरकार का तर्क है कि 50 से कम छात्रों वाले विद्यालयों को बड़े स्कूलों में मिलाकर बेहतर संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे, लेकिन शिक्षक इस तर्क को सिरे से खारिज कर रहे हैं। उनका मानना है कि यह कदम न केवल छोटे स्कूलों को बंद करेगा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की पहुंच को भी प्रभावित करेगा और शिक्षकों को दूरस्थ स्थानों पर जाने के लिए मजबूर करेगा। शिक्षकों का कहना है कि यह केवल स्कूलों को बंद करने का एक बहाना है, जिसका सीधा असर गरीब और वंचित छात्रों पर पड़ेगा।

सड़क हादसे बुझा घर का चिराग तेज रफ्तार बाइक की टक्कर मासूम की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच - पं सत्यमशर्मा

बरेली। फतेहगंज पूर्वी थाना क्षेत्र में टिसुआ के पास भदपुरा मोड़ पर बाइक की टक्कर से चार साल के बच्चे की मौत हो गई। हादसा बृहस्पतिवार रात करीब नौ बजे हुआ। वह अपने पिता और मौसी के साथ नानी के घर जा रहा था। इकलौते बेटे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने उसका पोस्टमॉर्टम कराया है। मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र के गांव कटैया निवासी ताराचंद ने बताया कि वह अपने चार वर्षीय पुत्र शिव व साली को लेकर टेंपो से ससुराल जा रहे थे। उनकी पत्नी का ऑपरेशन हुआ था। वह घर पर ही थीं। बताया कि उनकी ससुराल भदपुरा गांव में कार्यक्रम था, जिसमें शामिल होने टेंपो से आ रहे थे।

54 पुलिसकर्मियों के तबादले, भ्रष्टाचार में फंसे इंस्पेक्टर को भी जिम्मेदारी

क्यूँ न लिखूँ सच - पं सत्यमशर्मा

बरेली। कांवड़ यात्रा और मोहर्रम के संवेदनशील समय में रिजर्व पुलिस लाइन में तैनात रहे इंस्पेक्टर और दरोगा को एसएसपी अनुराग आर्य ने काम पर लगा दिया है। उन्होंने 54 पुलिसकर्मियों का तबादला पुलिस लाइन से विभिन्न थानों, प्रकोष्ठ में किया है। इसमें 28 इंस्पेक्टर और 26 दरोगा शामिल हैं। फरीदपुर थाने में स्मैक तस्करों से नौ लाख रुपये घूस लेने के आरोपी इंस्पेक्टर रामसेवक सिंह ने हाईकोर्ट के आदेश पर पुलिस लाइन में बहाली करा ली थी। रामसेवक को क्राइम ब्रांच में विवेचना की जिम्मेदारी मिली है। इंस्पेक्टर राजकुमार सिंह को प्रभारी डीसीआरबी, डीसीआरबी /सिंगल विंडो/रिट सेल से गिरीश प्रसाद को पुलिस लाइन भेजा गया है। इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार चतुर्वेदी को प्रभारी रिट सेल/सिंगल विंडो, धर्मेंद्र सिंह को लाइन से प्रभारी मानवाधिकार सेल/जन सूचना सेल बनाया गया है। इसी तरह राजेश कुमार को विशेष जांच प्रकोष्ठ /सीसीटीएनएस की जिम्मेदारी दी गई है। हरपाल सिंह एसएसपी के पीआरओ बनाए गए हैं। चमन सिंह को क्राइम इंस्पेक्टर बनाकर शीशगढ़ थाना भेजा गया है। वहां से शिव बरन को पुलिस लाइन में भेजा गया है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

जनता तो छोड़ो सभासद भी परेशान,नगर पंचयात ढकिया में नहीं हो रहा विकास।

क्यूँ न लिखूँ सच

डिलारी। ढकिया नगर पंचायत की विकास कार्य की पोल खुलती नजर आ रही है विकास न होने को लेकर जनता के साथ-साथ अब तो सभासद भी परेशान दिखने लगे हैं। नगर पंचायत के कार्यकाल को ढाई वर्ष से अधिक हो चुके हैं लेकिन विकास का पहिया धीमा पड़ गया नगर में विकास कार्य न होने को लेकर नगर वासी एवं सभासद परेशान दिखने लगे हैं चुने गए सभासदों ने चुनाव के समय वार्ड के लोगों से बड़े-बड़े वादे करके जीत हासिल कर ली लेकिन ढाई साल बीत जाने के बाद नतीजा। जीरो निकलता दिखाई दे रहा है वार्ड नंबर 2 से सभासद रईस दीवान बड़े-बड़े वादे करके जनता से वोट अपील की अपील की थी जनता ने उनकी बातों पर भरोसा कर वार्ड का सभासद बना दिया था सभासद बनने के बाद बोर्ड की बैठक में सभासद द्वारा, सड़क निर्माण, नाली निर्माण, पोलो पर स्ट्रीट लाइट, कब्रिस्तान के रास्ते पर सौर ऊर्जा लाइट, टंकी के कनेक्शन, पाइपलाइन बेचने का कार्य, एवं साफ सफाई को लेकर विकास कार्य के प्रस्ताव दिए गए थे लेकिन प्रस्ताव खारिज कर दिए गए जिसके चलते वार्ड 2 में विकास का पहिए थम गय। वहीं वार्ड के नगर वासी खैरुलनिशा, बब्बो, व कलुआ, ने बताया कि साफ सफाई व्यवस्था चौपट है मुमताज मस्जिद को जाने वाले रास्ते पर जल भराव एवं गंदगी रहती है। नमाज पढ़ने जाने जाने वाले लोगों को काफी परेशानियों होती है वार्ड में विकास नहीं हो रहा। कई बार नगर अध्यक्ष से इसकी शिकायत की गई लेकिन शिकायत अनसुनी कर दी है।

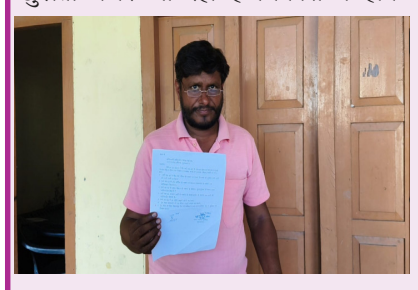

पुण्यतिथि पर याद किए गए स्वामी विवेकानंद

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। नगर के पी0एन0दीवान पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया गया। उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार गुप्ता ने छात्र - छात्राओं को बताया हर साल 4 जुलाई को स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि मनाई मनाई जाती है। उनका जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था । मात्र 39 वर्ष की आयु में 4 जुलाई 1902 को इस संसार को अलविदा कह दिया। वह एक महान दार्शनिक थे। विश्व धर्म महासभा में ऐतिहासिक भाषण 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म महासभा में उनके भाषण ने दुनिया का ध्यान खींचा, जिसमें उन्होंने मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों से शुरुआत की।उन्होंने भारतीय वेदांत और हिंदू दर्शन को पश्चिमी जगत में भी अपना परचम लहराया। उन्होंने रामकृष्ण मिशन युवाओं के लिए प्रेरणा उनके विचार आज भी युवाओं को प्रेरित करते हैं, जैसे कि उठो, जागो और तब तक नहीं रुको, जब तक लक्ष्य ना प्राप्त हो जाए। इस मौके पर शिक्षिका दीपिका बनर्जी, राजेंद्र सक्सेना, रेहान खान, प्रज्ञा गुप्ता,सुलभ अग्रवाल, यासीन,ममता शंखधार,रूबी सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

खंड शिक्षा अधिकारी ने स्कूल चलो रैली अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। विकास खंड क्याया के प्राथमिक विद्यालय बभिया में शुक्रवार खंड शिक्षा अधिकारी पूरन सिंह ने स्कूल चलो अभियान रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में प्रधानाचार्य संतोष मिश्रा, शिक्षिका आरती, सुलोचना, अर्चना, सुमित,सोमवीर सहित समस्त स्टाफ ने घर-घर जाकर अभिभावकों को बच्चों का स्कूलों में शत-प्रतिशत नामांकन करवाने,संचारी रोगों से बचाव के लिए भी जागरूक किया।

कर्मचारी हितों के लिए जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच – राजकुमार शर्मा (कटारे)

शिवपुरी, कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में आज शुक्रवार को जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन, डिप्टी कलेक्टर सहित संबंधित जिला अधिकारी एवं विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करते हुए कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने कहा कि जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक कर्मचारियों से जुड़े आवश्यक मुद्दों पर आयोजित की जाती है। कलेक्टर श्री चौधरी ने कहा कि प्रतिनिधियों द्वारा दी गई मांगों एवं सुझावों को सूचीबद्ध किया गया है, इसके लिए विभागीय अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण के लिए निर्देशित भी किया है। उन्होंने सभी जिला प्रमुखों को बैठक आयोजित कर सभी मामलों का निराकरण करने निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता के साथ कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान किया जाए। उन्होंने शिक्षा विभाग में एक-एक करके कर्मचारियों के एरियर निकाले जाने पर नाराजगी व्यक्त की और आगे ऐसा किए जाने पर संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। सेवा पुस्तिका को अद्यतन किए जाने और पेंशन के लंबित प्रकरणों का निराकरण समय पर किए जाने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में कर्मचारियों के हितों से संबंधित कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा मांगे रखी गई एवं विभागीय अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। बैठक में विगत 09 वर्ष से लंबित पदोन्नति की कार्यवाही अविलंब किये जाने, क्रमोन्नति एवं समयमान वेतनमान का लाभ पात्र कर्मचारियों को प्रदाय किया जाने, विभागीय परामर्शदात्री समितियों की बैठक कार्यालय प्रमुखों द्वारा समय-सीमा में नियमित रूप से किया जाने, कर्मचारियों के स्थायीकरण की कार्यवाही की जाने, अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने, सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के स्वत्वों / पेंशन प्रकरण का प्राथमिकता से निराकरण करने, लिपिक कर्मचारियों को अपने कार्य के साथ-साथ अन्य दूसरी शाखा का प्रभार न दिया जाने, शिक्षकों को समर्पित अवकाश नगदीकरण संकुल प्राचार्यों द्वारा स्वीकृत कराये जाने, शिक्षा विभाग में शिक्षकों की योग्यता वृद्धि की लंबित अनुमति प्रदान किए जाने, संकुल प्राचार्यों द्वारा शिक्षकों की सेवा पुस्तिका नियमित संधारित कराई जाने, राजस्व विभाग के लिपिक कर्मचारियों की बैठक व्यवस्था ठीक करायी जाने, कृषि विभाग द्वारा कृषि विस्तार अधिकारियों को एफटीए का भुगतान कराए जाने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई।

शिक्षक विहीन स्कूलों को मिले शिक्षक, प्रेमनगर विकासखण्ड में युक्तियुक्तकरण के तहत की गई पदस्थापना

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- शासन के युक्तियुक्तकरण नीति के अंतर्गत विकासखण्ड प्रेमनगर के विभिन्न शिक्षक विहीन शालाओं में शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। इससे लंबे समय से शिक्षकों की कमी से जूझ रहे विद्यालयों को संबल मिला है और अब विद्यार्थियों को नियमित शिक्षा मिल सकेगी। उल्लेखनीय है कि इस पहल से शैक्षणिक सत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा सकेगी। इस योजना के तहत ग्राम पंचायत दूर्गापुर स्थित प्राथमिक शाला कांदाबाड़ी में श्री सोमार साय एवं श्री बैजनाथ सिंह की पदस्थापना की गई है। वहीं ग्राम पंचायत नवापाराकला के प्राथमिक शाला पीपरडाड़ में श्री किशुन राम मराबी एवं श्री राजेन्द्र जायसवाल को पदस्थ किया गया है। ग्राम पंचायत रामेश्वरनगर के प्राथमिक शाला सोहरगढ़ई में श्री रामेश्वर पोर्ते एवं श्री ललित कुमार मराबी की नियुक्ति की गई है। चंदननगर पंचायत के प्राथमिक शाला भंडारपारा में श्रीमती नरबदी साहू एवं श्री हिरेन्द्र सिंह की पदस्थापना हुई है। ग्राम पंचायत कंचनपुर के प्रा.शा. घोघरापारा में सुश्री मनिषा एक्का एवं श्री अजहरूद्दीन अंसारी को पदस्थ किया गया है। वहीं मुख्यालय ग्राम पंचायत प्रेमनगर की प्रा.शा. कन्या प्रेमनगर में श्रीमती वंदना जायसवाल एवं श्रीमती शिमला जायसवाल की नियुक्ति की गई है।

कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने दूरस्थ ग्रामों का किया निरीक्षण, स्वास्थ्य व शिक्षा सेवाओं की ली जानकारी

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- जिले के कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने आज जिले के अत्यंत दूरस्थ क्षेत्र ग्राम कोल्हूआ के पण्डोपारा का दौरा किया। उन्होंने वहां मौसमी बीमारियों एवं त्वचा संक्रमण से ग्रसित बच्चों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा समस्त ग्रामवासियों को स्वच्छता बनाए रखने हेतु प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री जयवर्धन ने पण्डोपारा स्थित प्राथमिक शाला का अवलोकन किया एवं बच्चों से संवाद कर शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। इसके पश्चात उन्होंने ग्राम बैजनपाठ में आयोजित स्वास्थ्य शिविर, आंगनवाड़ी केंद्र एवं प्राथमिक शाला का निरीक्षण किया। वहां उपस्थित ग्रामीणों से उन्होंने शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त की तथा उनकी समस्याएं भी सुनीं। बिहारपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचकर कलेक्टर ने भर्ती मरीजों से भेंट कर उनकी स्थिति के बारे में जानकारी ली और अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया। साथ ही, उन्होंने सीएचसी के नव निर्माणाधीन भवन का भी निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. के. डी. पैंकरा, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. बंटी बैरागी, चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण सिंह एवं विकासखंड ओड़गी के अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

मिनी प्लग टाइप सीडलिंग यूनिट से सूरजपुर के किसानों को मिल रही गुणवत्तायुक्त पौधा

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों के तहत सूरजपुर जिले में मिनी प्लग टाइप सीडलिंग यूनिट किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। जिले में दो मिनी प्लग टाइप सीडलिंग यूनिट संचालित हैं, जिनमें से एक जिला मुख्यालय से 12 किलोमीटर दूर स्थित शासकीय उद्यान दतिमा में, तथा दूसरी 80 किलोमीटर दूर शासकीय उद्यान खोरमा में स्थापित है। इन दोनों यूनिटों की संयुक्त वार्षिक उत्पादन क्षमता 20 लाख सीडलिंग (पौध) की है। यहां करेला, टमाटर, बैंगन, गेंदा, मिर्च, फूलगोभी, पत्तागोभी, खीरा, तरबूज जैसी विविध सब्जियों, मसालों एवं पुष्पों की पौध तैयार की जाती है। सीडलिंग यूनिट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां तैयार पौधे स्वस्थ्य, गुणवत्तायुक्त, कीट-व्याधि से मुक्त तथा अधिक उत्पादन देने वाले होते हैं। किसान यदि स्वयं बीज उपलब्ध कराते हैं तो उन्हें मात्र 1.00 रू. प्रति पौधा की दर से पौध दी जाती है, जबकि विभागीय बीज से तैयार पौध 1.50 रू. प्रति पौधा की दर से उपलब्ध कराई जाती है। कृषकों की मांग पर यूनिटों में टमाटर और बैंगन के ग्राफ्टेड पौधे भी तैयार किए जाते हैं, जो बेहतर उपज देने में सहायक होते हैं। सामान्यत: 25 से 30 दिनों में बीज से पौध तैयार हो जाती है, जिससे किसानों को समय पर रोपाई के लिए उन्नत पौध उपलब्ध हो जाती है। यह पहल किसानों को पारंपरिक बीज बोवाई की प्रक्रिया से मुक्ति दिलाकर उन्हें आधुनिक, तेज और भरोसेमंद विकल्प प्रदान कर रही है।

सशस्त्र सीमा बल 42 वीं वाहिनी एसएसबी कमांडेंट गंगा सिंह उदावत को सेवा पथ पुस्तक दर्पण उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति द्वारा देकर किया गया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच

बहराइच। उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक समिति के लोकप्रिय यशस्वी चेयरमैन कमलेश श्रीवास्तव के निर्देशान पर उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति बहराइच इकाई सशस्त्र सीमा बल 42वीं वाहिनी के कमांडेंट गंगा सिंह उदावत से औपचारिक भेंट कर कमांडेंट के कुशल नेतृत्व में सशस्त्र सीमा बल 42 वीं वाहिनी द्वारा संदिग्ध अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखना भारी मात्रा में चरस गांजा स्मैक बरामद करना समय-समय पर भारत नेपाल सीमा पर नेपाल पुलिस सिविल पुलिस संयुक्त फ्लैग मार्च करना जैसे सराहनीय कार्य को देखते हुए नानपारा अगैया कैंप में पहुंच कर बैच लगाकर मेडल पहनाते हुए संस्था द्वारा प्रकाशित की जाने वाली वार्षिक सेवा पथ पुस्तक दर्पण भेंट कर के सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति के समिति के पदाधिकारियों ने कमांडेंट से शिष्टाचार भेंट कर संस्था के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली एवं सामाजिक योगदान की विस्तृत जानकारी साझा कर केशव कुमार मौर्य ने बताया अपराध से घृणा करो अपराधी से नहीं यही हमारी समिति का मैन उद्देश्य है इस पर कमांडेंट गंगा सिंह उदावत ने समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए समाजहित में इसके कार्यों को महत्वपूर्ण बताया। आगे उन्होंने कहां हम समिति का हर संभव समय-समय पर सहयोग करने के लिए तात्पर्य रहेंगे

सम्मान समारोह के अवसर पर उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति के जिला सचिव / जेल विजिटर जिला कारागार बहराइच केशव कुमार मौर्य, जिला उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार शेर सिंह कसौधन, जिला उप सचिव विनोद कुशवाहा, नगर उपाध्यक्ष रूपईडीहा इरशाद हुसैन,नगर सचिव रूपईडीहा राजीव अग्रवाल, महामंत्री श्याम कुमार मिश्रा, उप सचिव नगर पंचायत केशरी प्रसाद सोनी उर्फ गज्जू, मीडिया प्रभारी बाबागंज रमेश सिंह संगठन मंत्री महबूब अहमद, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम में समिति की भावी योजनाओं पर भी चर्चा की गई तथा जनहित में समर्पित सेवा कार्यों को और प्रभावी बनाने का संकल्प लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

वर्ल्ड पुलिस एवं फायर गेम-2025 इज्जतनगर मंडल के रणजीत यादव ने 400 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य पदक जीता

क्यूँ न लिखूँ सच – पं सत्यमशर्मा

बरेली। अलबामा (बर्मिंघम), यूनाइटेड स्टेट्स में 27 जून से 06 जुलाई, 2025 तक आयोजित ' वर्ल्ड पुलिस एवं फायर गेम-2025'' में पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर मण्डल के रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट, हाथरस सिटी में कार्यरत निरीक्षक रणजीत यादव ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में रणजीत यादव ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 50 वर्ष आयु वर्ग में 400 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य पदक जीता। मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि रेल सुरक्षा बल पोस्ट, हाथरस के निरीक्षक रणजीत यादव ने कांस्य पदक जीतकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है जो एथलेटिक्स में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रेल सुरक्षा बल के लिए यह पदक पहली उपलब्धि है। यह उनकी एक निरीक्षक के रुप में केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि इससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रेलवे सुरक्षा बल एवं भारतीय रेलवे का मनोबल बढ़ा है और राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। साथ ही उन्होंने रेलवे के सभी विभागों में कार्यरत खिलाड़ियों के समक्ष अनुसरण करने का शानदार उदाहरण प्रस्तुत किया हैं। इस उपलब्धि के लिए मंडल रेल प्रबंधक सुश्री वीणा सिन्हा, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री मनोज कुमार सहित सभी शाखा अधिकारियों ने श्री रणजीत यादव का कंठ मुक्त से प्रशंसा करते हुए बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। मंडल के रेल कर्मचारियों, खिलाड़ियों एवं रेल सुरक्षा बल के जवानों ने भी उनका उत्साहवर्द्धन करते हुए बधाई दी।

02 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच – भूपेन्द्र तिवारी

बहराइच- पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद बहराइच द्वारा वांछित/वारण्टी की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक महोदय (नगर) व क्षेत्राधिकारी महोदय पयागपुर के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक पयागपुर के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक.04.07.2025 को वांछित अभियुक्त 1.सुनील चन्द्र उर्फ टिल्लू पुत्र दरबारी लाल 2.उमेश कुमार उर्फ छोटू उर्फ छोटल पुत्र दरबारी लाल निवासीगण पहलवारा थाना पयागपुर जनपद बहराइच सम्बन्धित मु0अ0स0 217/2025 धारा 109,115(2),352,351(3) बी0एन0एस0 को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए पुलिस अभिरक्षा में माननीय न्यायालय बहराइच रवाना किया गया ।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जिला सूरजपुर में लगे शिविर, 1155 लोग सिकल सेल परीक्षण में लाभान्वित

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- जिले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत दिनांक 17 जून 2025 से 03 जुलाई 2025 तक विभिन्न विकासखंडों में शिविरों का आयोजन किया गया। इस विशेष अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत भैयाथान, ओड़गी, प्रतापपुर, प्रेमनगर, रामानुजनगर तथा सूरजपुर में शिविर लगाए गए। इन शिविरों के माध्यम से विशेष रूप से सिकल सेल जांच व परामर्श सेवाएं प्रदान की गईं। अभियान के दौरान कुल 1155 लोगों को सिकल सेल से संबंधित परीक्षणों एवं जानकारी का लाभ प्राप्त हुआ। यह प्रयास जनजातीय समुदाय के स्वास्थ्य उन्नयन एवं जन जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है।

एसएसआर 2026 अंतर्गत बीएलओ प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण एसएसआर 2026 के तहत द्वितीय दिन का प्रशिक्षण आज प्रतापपुर स्थित शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित किया गया।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 152 बीएलओ में से 51 बीएलओ को ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण सत्र में बीएलओ के साथ-साथ पर्यवेक्षक (सुपरवाइजर) भी उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण का संचालन श्री रामकृपाल मिश्रा एवं श्री प्रदीप जायसवाल द्वारा किया गया।

थाने में मिला उस मां को सुकून, जो अपनों के बीच गुम हो गई थी

क्यूँ न लिखूँ सच – राकेश गुप्ता

कांधला शामली कांधला थाना परिसर में उस वक्त हर आंख नम हो गई जब एक बुजुर्ग महिला कांपते कदमों से थाने पहुंची – थकी हुई, टूटी हुई, और अपने ही बच्चों के सितम से टूटी हुई। उसके पास न कोई सहारा था, न उम्मीद... बस हाथ में एक सफेद कागज़ था और दिल में इंसाफ की उम्मीद।उम्र के चलते शरीर जवाब दे रहा था, आते-आते थक कर थाने के आंगन में ज़मीन पर ही बैठ गई। वहां किसी ने उसकी चीख नहीं सुनी, मगर थाना प्रभारी सतीश कुमार की नज़र उस मां जैसी महिला पर पड़ी, तो वे खुद उठकर बाहर आए और ज़मीन पर उसके पास जाकर बैठ गए। वह सीन दिल को झकझोर देने वाला था एक पुलिस अफसर नहीं, एक सच्चा बेटा उस दिन उस मां के पास बैठा था। सतीश कुमार ने पहले उसे प्यार से खाना खिलाया, फिर पूरे सम्मान के साथ उसकी सारी तकलीफें सुनीं। उस मां ने बताया मेरे बच्चे मुझे तंग करते हैं, खाना नहीं देते... और अब घर से निकालने की बात करते हैं। थाना प्रभारी ने तुरंत एक्शन लेने का भरोसा दिया.जब अपने छोड़ देते हैं, तो सिस्टम का फर्ज है संभालना। आप अब अकेली नहीं हैं मां जी। यह सिर्फ एक खबर नहीं, एक मिसाल है–थाने में इंसाफ मिला, सिर्फ कानून नहीं, ममता भी मिली। सतीश कुमार – नाम नहीं, अब भरोसे की पहचान बन गए हैं। जिस मां को घर से निकाला गया, उसे थाने ने गले लगाया। थाने में बैठी मां बेटे ने खाना खिलाया, इंसाफ दिया सिस्टम में बची है इंसानियत सतीश कुमार की मिसाल कांधला थाना बना बेसहारा मां का आशियाना

शामली के शीर्ष नेतृत्व द्वारा घोषित नव नियुक्त कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण एवं संकल्प समारोह का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामली घोषित जिला कांग्रेस कमेटी के शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व विधायक गजराज सिंह ,कोऑर्डिनेटर ज्ञानेंद्र सिंह राघव ने कार्यकर्ताओं से राहुल गांधी जी के संदेश को बूथ स्तर पर पहुचाने का आह्वान किया ।शुक्रवार को जनपद शामली के शीर्ष नेतृत्व द्वारा घोषित नव नियुक्त कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण एवं संकल्प समारोह का आयोजन संगल फूड रेस्टोरेंट में आयोजित किया गया ।जिसकी शुरुआत राष्ट्र गीत वंदे मातरम से हुई।

संकल्प शपथ ग्रहण समारोह की अध्यक्षता स्वतंत्रता सेनानी परिवार से वरिष्ठ कांग्रेसी रामकुमार राय व संचालन संदीप शर्मा ,सन्नी गुप्ता ने किया । संकल्प समारोह में प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस श्री अजय राय जी एवं शीर्ष नेतृत्व द्वारा घोषित जिला कार्यकारिणी शामली को जिला अध्यक्ष अख़लाक़ प्रधान जिला ,कोऑर्डिनेटर ज्ञानेंद्र सिंह राघव,शहर कोऑर्डिनेटर गुफरान

काजमी ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक गजराज सिंह के साथ जिले के 44 पदाधिकारियों को पत्र सौंप कर उन्हें उनके दायित्वों के निर्वहन का संकल्प दिलाया ।

संकल्प समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक गजराज सिंह व जिला कोऑर्डिनेटर ज्ञानेंद्र सिंह राघव ने सभी कार्यकर्ताओं से शीर्ष नेतृत्व द्वारा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे जी व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय जी द्वारा संगठन सर्जन अभियान में लगाई गई राष्ट्रीय सचिव प्रभारी पश्चिम उत्तर प्रदेश श्री प्रदीप नरवाल जी के नेतृत्व में 100 दिन के अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया ।पहले चरण में जिला कमेटी घोषित होने पर पार्टी की विचारधारा को ब्लॉक नगर मंडल में भूतल पर ले जाकर सर्व समाज को जोड़ने का आह्वान किया गया ।पार्टी को प्रदेश की सत्ता में लाने का संकल्प लिया । अख़लाक़ प्रधान ने कहा भाजपा सरकार द्वारा शिक्षा चिकित्सा बेरोजगारी व भ्रष्टाचार को बढ़ा रही गई भाई से भाई को लड़ाकर हिंदू मुसलमान की राजनीति कर वोट को हथियाने रही है ।आम गरीब मजलूम किसान नौजवान को बदल बताते हुए कांग्रेस से आमजन को जोड़कर देश पर प्रदेश में सरकार बनाकर राहुल गांधी जी को प्रधानमंत्री बनाने का आह्वान किया।बैठक में जिला अध्यक्ष अख़लाक़ प्रधान जी द्वारा आए हुए पदाधिकारियों का आभार प्रकट कर सभी से मिलकर काम करने का संकल्प दोहराया । कार्यक्रम के अध्यक्ष रामकुमार राय जी द्वारा पार्टी में आस्था व्यक्त कर सभी से मिलकर काम करने संकल्प दोहराया ।कार्यक्रम में संकल्प दिलाते हुए सभी पदाधिकारी को दिए गए दिशा निर्देशों का पालन करने का आह्वान किया गया ।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष डॉ रामलाल कश्यप, चयन सिंह पुंडीर ,डॉक्टर नसरीन पुनीत शर्मा ,नदीम एडवोकेट ,फरमान अंसारी ,सीमा जाटव ,अजीत पवार विकास पवार ,बृजेश शर्मा ,जबरपाल सिंह, ओम प्रकाश सैनी ,राजेंद्र सिंह गोल्डी ,मंगल रामकोहली ,कृष्ण पाल उपाध्याय, सुमित कौशिक ,सलमान राणा ,इशरतजहां ,छवि ,अफसाना आदि सैकड़ो कार्यकर्ता सम्मिलित रहे।

संक्षिप्त समाचार

1 नफर अभियुक्त थाना रामगांव से गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच – शैलेन्द्र कुमार पांडेय

बहराइच–पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच द्वारा पूर्व से वांछित चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु दिये गये दिशा निर्देश के अनुपालन मे अपर पुलिस अधीक्षक महोदय (ग्रामीण) व क्षेत्राधिकारी महोदय महसी के निर्देशन में थानाध्यक्ष श्री राजकुमार पाण्डेय के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 रुपनरायन गौड मय हमराह का0 सोनू के द्वारा आज दिनांक 04.07.2025 को वांछित/अभियुक्त मासूम अली पुत्र अजमेर अली निवासी झाला कला थाना मटेरा जनपद बहराइच को मुखबिर खास की सूचना पर झिंगहा घाट बस स्टैंड के पास से समय करीब 12.18 बजे हिरासत पुलिस में लिया गया। जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर पूर्व में मु0अ0स0 168/2025 धारा 87/64(1),318(4) बीएनएस पंजीकृत किया गया था। गिरफ्तारी के समय मा0 सर्वोच्च न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के आदेशों निर्देशों का अक्षरश: पालन किया गया। अभियुक्त उपरोक्त का चालान कर माननीय न्यायालय बहराइच रवाना किया गया ।

कांग्रेस का कार्यालय निकट बलभद्र मंदिर के पर कांग्रेस की एक सभा का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच – राकेश गुप्ता

शामली कांग्रेस कैम्प कार्यालय निकट बलभद्र मन्दिर पर कांग्रेस की एक सभा का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता हापुड़ विधानसभा से पूर्व विधायक माननीय श्री गजराज सिंह व संचालन ओमबीर उपाध्याय द्वारा किया गया । उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य व सहारनपुर शहर के कोर्डिनेटर ओमप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेसियो ने जनपद शामली के कांग्रेस संगठन के मौजूदा हालात से अवगत कराते हुए पूर्व विधायक के समक्ष जिले के कार्यकर्ताओं की पीड़ा और सांगठनिक हालात पर चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि पिछले अर्ध्दशक से कांग्रेस संगठन में ऐसे लोगो का कब्जा रहा है जिनकी विचारधारा और कार्यशैली कांग्रेस से मेल नही खाती है और ऐसे लोग केवल अवसरवादिता ओर पद के दुरुपयोग के लिये ही संगठन पर काबिज है जिस कारण मूल कांग्रेसी ओर समर्पित कार्यकर्ता का मनोबल गिरा है और जिले का कांग्रेस संगठन निरतंर पतन की ओर गया है । उन्होंने पार्टी हाईकमान से अपने फैसले पर पुनर्विचार की मांग सभा के माध्यम से की । सभा को अनेक वक्ताओं द्वारा सम्बोधित करते हुए प्रदेश हाईकमान के फैसले को अनुचित व गैर कांग्रेसी विचारधारा वाले लोगो से प्रभावित करार देते हुए पुनर्विचार की मांग की ।। सभा को सुनते हुए मुख्य अतिथि श्री गजराज जी द्वारा आश्वासन देते हुए कहा गया कि जिला शामली से मेरा नाता घर और अति नजदीकियों का रहा है और यहां के सच्चे समर्पित कार्यकर्ताओ ने पार्टी को आगे बढ़ाने का काम किया है आप सभी की पीड़ा को पार्टी हाईकमान के समक्ष रखते हुए आपका पक्ष मजबूती के साथ रखा जाएगा और सभी की एकराय से ही पार्टी हित को ध्यान में रखते हुए संगठन में उचित स्थान की प्रबल पैरवी की जाएगी । सभा मे मुख्य रूप से ज्योति प्रशाद शर्मा, बाबू खान ,प्रवीण तरार,सुरेश पाल सैनी, ओमपाल , ठा0 लाखन सिंह ,शेखर चन्द पाल,रविन्द्र आर्य,योगेश भारद्वाज,विनोद अत्रि, बिजेंद्र पाल वर्मा, अमित शर्मा ,सुरेंद्र सरोहा साजिद सैफी आदि कांग्रेसजन उपस्तिथ रहे ।

ई रिक्शा की टक्कर से अधेड का पैर टूटा मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम अली वृसिंहपुर निवासी जीत लाल पुत्र स्वर्गीय बेचूलाल का आरोप है कि वह घर से जरूरी काम से पैदल जा रहा था कि पीछे से ई रिक्शा चालक ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे जीतलाल का पैर टूट गया। जीतलाल ने मऊआइमा थाने में ई रिक्शा चालक नाम पता अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

ग्राम सलैया खुर्द में विधिक साक्षरता और जागरूकता शिविर का आयो जन हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच

कोंच(जालौन) आज तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत सलैया खुर्द में स्थित सरकारी स्कूल के परिसर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया इस शिविर पीएलवी जगपाल सिंह यादव पीएलवी स्नेहराजा थाना नदीगांव के प्रभारी दिव्य प्रकाश तिवारी सीएचसी महेशपुरा से मोहित कुमार, जनसाहस से राहुल यादव, पंचम सिंह राजस्व लेखपाल अंकुर कुमार मंचस्थ रहे इस शिविर का माध्यम से गांव को को राजस्व से जुड़े कानून के बारे में महत्वपूर्ण जान कारी उपलब्ध कराई गई साथ ही सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी विस्तार से चर्चा की गई स्कूल के अध्यापक सुबोध कुमार निरंजन ने बताया है कि गांव के लोग अपने अपने बच्चों का स्कूल में दाखिला कराये और सरकारी योजनाओं का समय रहते लाभ उठाये इस शिविर में नदीगांव के थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश तिवारी ने कहा कि गांव में अगर कोई व्यक्ति अशांति फैला रहा है तो पुलिस को जरूर सूचना दे साथ ही उन्होंने कहा कि गांव में कोई व्यक्ति अवैध शराब बेच रहा है या जुआ आदि खिलवा रहा है तो पुलिस को अवगत कराए ताकि समय रहते उस पर कानूनी कार्यवाही की जा सके पीएलवी जगपाल सिंह यादव ने बताया है कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य गांव के लोगों को कानून और सरकार से जुड़ी महत्बपूर्ण जानकारी देना है उन्होंने कहा कि सरकार तमाम योजनाओं का संचालन कर रही है गांव के लोग किसी को कोई सही जानकारी नहीं है तो जानकारी करले इस शिविर में स्कूल के शिक्षक अनिल कुमार पटेरिया शालिनी पटेल, गौरव पटेल, समूह सखी राधा कुंती आंगन वाड़ी, राजेश्वरी आशा प्रधान अतेंद्र सिंह सहित तमाम गांव की महिलाएं और पुरुष मौजूद रहे

श्री राम लला मंदिर में हो रहे धार्मिक कार्यक्रम जुट रही भक्तों की भीड़

क्यूँ न लिखूँ सच

कोंच(जालौन) नगर के मोहल्ला गांधी नगर में स्थित अति प्रसिद्ध श्री रामलला मंदिर में श्री मद भागवत कथा मूल पाठ महामृत्युजंय पाठ देवी मूल पाठ और भजन कीर्तन का दौर चल रहा है मंदिर परिसर में शिवार्चन पाठ भी चल रहे है यज्ञाचार्य पं ज्योतिषाचार्य दीपेंद्र तिवारी द्वारा विधि विधान से कार्य सम्पादित किये जा रहे इस कार्यक्रम में नगर के लोग इस आयोजन में समय से पहुंच रहे है वहीं इस कार्यक्रम के आयोजक आसीन महंत रघुनाथ दास जी महाराज और व्यवस्थापक गोविंद दास जी महाराज केशव बबेले दिनेश चंद्र दुबे साकेत पटेरिया भोलानाथ झा अनिल पटेरिया सहित तमाम लोग मौजूद रहे

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में शिवपुरी जिले के 2,956 छात्र–छात्राओं को मिली लैपटॉप की राशि

क्यूँ न लिखूँ सच – राजकुमार शर्मा (कटारे)

शिवपुरी, प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत आज शुक्रवार को मानस भवन, शिवपुरी म. प्र. में जिला स्तरीय लैपटॉप राशि वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले शिवपुरी जिले के 2,956 छात्र–छात्राओं को ?25–25 हजार की राशि वितरित की गई। इस प्रकार कुल ?7 करोड़ 39 लाख की राशि का वितरण किया गया। मुख्य अतिथियों द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। छात्राओं द्वारा मंच से मातृ वंदना का वाचन भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी, जिला शिक्षा अधिकारी विवेक श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष जसमंत जाटव, पूर्व विधायक प्रहलाद भारती, सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं और उनके अभिभावक, शिक्षक–शिक्षिकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान ऊर्जा मंत्री एवं जिले के प्रभारी प्रद्युम्न सिंह तोमर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़कर विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की इस योजना से विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सक्षम बनने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर भोपाल में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संबोधन उपस्थितजनों द्वारा देखा और सुना गया। प्रदेश भर में कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले कुल 94,234 विद्यार्थियों को ?25–25 हजार की प्रोत्साहन राशि का वितरण किया गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा जो वादे किए गए है, उन्हे वो एक–एक करके पूरा कर रही है। आज के कार्यक्रम के माध्यम से 2956 छात्र–छात्राओं को लैपटॉप की राशि का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा इसके साथ ही छात्र–छात्राओं को गणवेश वितरण, साइकिल वितरण, स्कूटी वितरण तथा छात्रवृत्ति का वितरण विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किया जा रहा है। सभी छात्र–छात्राएं इन योजनाओं का लाभ लेकर अपने भविष्य का उज्ज्वल बनाए और प्रदेश सहित देश का नाम रोशन करें। जिला अध्यक्ष जसमंत जाटव ने कहा कि मध्यप्रदेश ने नई शिक्षा नीति लाकर जो कार्य किया है, वह अतुलनीय है। छात्र–छात्राओं को जो लेपटॉप की राशि का वितरण किया गया है, उस राशि का सदोपयोग करें। मध्यप्रदेश सरकार छात्र–छात्राओं के माध्यम से आने वाले भविष्य को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। हमारा संकल्प है कि हम प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर व्यवस्थाओं से हमारे विद्यार्थियों को लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि सरकार तन–मन–धन से आपके साथ खड़ी है। सभी छात्र–छात्राएं मन लगाकर पढ़े और देश का मान बढ़ाए। कार्यक्रम के अंत में भाजपा जिलाध्यक्ष जसमंत जाटव द्वारा जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल की छात्रा मानसी तिवारी निवासी धौलागढ़ का स्वागत करते हुए 5 हजार रूपए से पुरस्कृत भी किया गया। साथ ही छात्र छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामना देकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

जरूरी नहीं कि हर करीबी व्यक्ति आपका शुभचिंतक हो,हो सकता है आपका शुभ होते देख वो चिंतित हो ओंकार पाठक

क्यूँ न लिखूँ सच

कोंच(जालौन) नगर की सबसे बड़ी साहित्यिक संस्था श्री बागीश्वरी साहित्य परिषद के तत्वाधान में एक मासिक काव्य गोष्ठी नगर के मोहल्ला प्रताप नगर में स्थित अति प्रसिद्ध श्री गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में बागीश्वरी साहित्य परिषद के अध्यक्ष मयंक मोहन गुप्ता ठेकेदार की अध्यक्षता में हुई इस काव्य गोष्ठी में हास्य कवि ओंकार नाथ पाठक ओम बढ़िया रचना पढ़ कर सुनाई वे बोले –जरूरी नहीं कि हर करीबी व्यक्ति आपका शुभचिंतक हो,हो सकता है आपका शुभ होते देख वो चिंतित हो चित्तर सिंह निरंजन पूर्व शिक्षक ने कहा रहना है खुश ऐ मन तो पानी सा बहना सीखलो जो औरों को अच्छा लगे,बस यही कहना सीख लो नरेंद्र मोहन मित्र ने कहा है–कुछ भी न खरीद पाओगे उनकी दुकान से,हर भाव बातें कर रहा है आसमान से संतोष सरल ने कहा –बिना मौसम के गुल नहीं खिलते वक्त के पहले फल नहीं मिलते,हर व्यवस्था का एक कारण है बे वजह पर्ण भी नहीं हिलते राजेश गोस्वामी ने पढ़ा –शून्य के सन्नाटे के महल का कोलाहल हुऐ,युग की चापलूसी कुटिलताओ बीच सत्य का कोलाहल हूं नंदराम स्वर्णकार भावुक ने कहा – कृष्ण के बचन आचरण श्री राम जी के नेति नेति कह वेद यश गान गाते है गीता सार सबके है जीने का आधार बने आचरण राम के प्रतिष्ठा बढ़ाते है मुन्ना लाल अग्रवाल धाकड़ ने कहा –नारी का सम्मान करो बेटी का कन्यादान करो बेटे को गुणवन बनाओ शेष जीवन प्रभु का ध्यान करो मुन्ना यादव विजय ने कहा कि – आज से ये इकरार कर अपनो से बिछड़े है उनसे भी प्यार कर ,अजय भारती ने कहा –संसार एक मुसाफिर खाना है याद रखो एक दिन यहां से जाना है संजय सिंघाल ने कहा –बैठकर तनिक यहां पर सोच की अपनी सुंदर कोंच,कला की तीर्थ राम लीला कलंदर शाह भी रंगीला बड़ा मंदिर है पता विशाल हु संजय और जगह भी सोच कि अपनी सबसे सुंदर कोंच आशाराम मिश्रा ने कहा – विघ्ना खूब बनाई जोड़ी दो गोरे दो कारे राजा दशरथ घर लाल भये है सो दो गोरे दो कारे विघ्ना खूब बनाई जोड़ी इस गोष्ठी में अध्यक्षता कर रहे संस्था के अध्यक्ष मयंक मोहन गुप्ता ने कहा मेरा प्रयास रहता है कि संस्था को और ऊंचाइयों तक ले जाए इस गोष्ठी में अरुण बाजपेई एडवोकेट राम बिहारी सुहाने राघव अग्रवाल हरिमोहन अंशुमन राजोरिया हर्ष मिश्रा अंश यश गुप्ता अक्षय सोनी लक्ष्मी नारायण पुजारी कृष्ण कुमार बिलिया संतोष राठौर सहित तमाम लोग मौजूद रहे संचालन नंदराम स्वर्णकार भावुक ने किया

Serve Stuffed Paneer Mushroom to your guests for dinner, the taste is such that you will just keep eating it

Mushrooms are the best option for starters. You can also serve paneer as a side dish. It is very easy to make stuffed paneer mushroom for dinner. Do you want to make something for dinner this time that your guests will always remember? Something whose taste will stick to their tongue and they will never get tired of praising it? Then stuffed paneer mushroom is the perfect option for you. This is a dish that is a wonderful combination of taste and health and which is not very difficult to make. Are you tired of serving the same old dishes every time at a dinner party? Do you want to make something this time that will please the eyes of the guests as well as their tongue? If your answer is 'yes', then get ready for a dish that will make your dinner party memorable forever! Here is a recipe of "Stuffed Paneer Mushroom" that the moment the guests taste it, they will say, "Bhai wow! It was fun!" Ingredients for making stuffed paneer mushrooms Mushrooms: 12-15 large button mushrooms For paneer stuffing: 1 cup grated paneer /4 cup finely chopped onion 1-2 green chillies (finely chopped, according to taste) 1/4 inch ginger (grated) 2 tbsp coriander leaves (finely chopped) tsp roasted cumin powder 1/4 tsp garam masala Salt according to taste Other ingredients: 1 tbsp butter or olive oil A little chopped coriander leaves (for garnishing) Method of making stuffed paneer mushrooms First of all, wash the mushrooms thoroughly and remove their stalks carefully. Finely chop the stalks and keep them aside. Then add grated paneer, finely chopped onion, green chillies, ginger, chopped coriander leaves, roasted cumin powder, garam masala and salt in a bowl and mix well. If you want, you can also add finely chopped stalks of mushrooms to it, this will enhance the taste. Now fill the paneer stuffing well inside each mushroom cap. Be careful that the stuffing does not spill out. After this, heat butter or oil in a non-stick pan. Carefully place the stuffed mushrooms in the pan and then cover it and cook on medium flame for 5-7 minutes, or until the mushrooms become slightly soft and the stuffing is cooked. If you want, you can also bake it in the oven at 180°C for 10-15 minutes, until the mushrooms turn golden. Serve hot stuffed paneer mushrooms immediately garnished with finely chopped coriander leaves. You can also serve it with green chutney or mint chutney.

Smartphone is no less than a speed breaker in the growth of children! Every parent should read the expert's advice

In the name of doing your work or resting, you put a smartphone in the hands of your child, but now it is becoming their enemy! Yes, parenting counselor Meenakshi Agarwal is telling how this habit of smartphone, which you got from you, is harming the mental and emotional health of children... Nowadays, it has become a common thing to see a smartphone in the hands of children. Small children are seen playing games on mobile development of children. Shobhita kept searching every on the smartphone. Smartphone before eating anything, and in this way the world of internet media became her to the reel made in his lisping tongue, Shobhita kept and sometimes to stay updated with the world, parents' of theirs has now been adopted by their children as well they quickly hand over the smartphone to the child. parents and by making them sit in front of the YouTube addicted to smartphones. Need has become an addiction for life, but the wrong way makes it dangerous. From click. All the milestones of children from before to after

for hours. Smartphone is a big enemy of the physical and mental small and big information related to the first child growing in the womb even if it was to know about the photoshoot of the child, smartphone companion in the journey of parenting. From the first step of the child sharing it proudly on the internet media. Sometimes to know something jugalbandi with smartphones has now become permanent. This habit because when parents have to do their work amidst their busy routine, Children do not even know about smartphones, but by imitating the screen instead of giving time to their children, children are becoming Internet media is such a thing that if used in the right way, it is positive medical advice to children's teachers, everything is available here at a their birth, children's food, sleep, diseases and information on their social, emotional, physical and psychological issues is available on the internet. Single families, working parents and the demand of time have proved the need for smartphones. But by the time we get to know when a need has become an addiction, things are already out of hand. Parents always reach for their smartphones for important things and spend a lot of time scrolling through reels. Children learn these habits from you and it seems normal to them to be on the internet or to keep checking notifications on their smartphones without any reason. Give time, not smartphones. Many times during conversations or counseling sessions, parents admit that they get distracted while scrolling on the phone and are unable to pay proper attention to their children's conversations and activities. Not only this, the conversations that used to happen face-to-face earlier have started happening with children in the form of text, and this happens even when the children are at home. It is not that smartphones have made their place in the world of children just like that. You will see that parents introduce their children to the singing and dancing world of YouTube at an early age. Even if children learn poems or alphabets on the screen, it is worth thinking that parents can do this work themselves as well. Similarly, if the child needs to be kept busy or the parents themselves need to relax or do some work, they give the phone to the child. Initially you give the phone to the children for your own comfort, but later it becomes harmful for the children, in future your relationship with the children also remains limited to the smartphone. Whereas parents should understand that during this time the children need more of your time. Every moment spent with the children lays the foundation for the future of better relationships. Audio devices are becoming a support Smartphone addiction in children has become a problem not only for us but for parents all over the world. Due to excessive screen time, children are not only having speech problems, but children are also shying away from talking face to face. The problem of ADHD (Attention-Deficit/Hyperactivity Disorder) is increasing rapidly in them. Parents are looking for alternatives to divert the attention of children from the screen. Audio devices are becoming helpful in this. One advantage of audio player is that the child is away from the screen. In such a situation, the attention is focused on the audio, due to which the children imagine the voice and story and create its picture in their mind. Whereas this is not possible for them due to the colorful pictures already on the screen. If the child cries or starts thrashing his hands and legs when he is forbidden to look at the phone, then it simply means that the child has become addicted to the screen. If the child is showing tantrums, is getting bored or is doing mischief, then do not take the help of smartphone to stop it. Allow limited use of smartphone even for studies. Encourage them to play outside, play with them yourself too. This controls the screen time of both of you. Parents should create a good support network for themselves, which can include your friends, parents of children's classmates and your family members. These will prove helpful in keeping the children busy by keeping them away from the screen.

For these five reasons, you should drink cinnamon water daily, the benefits will surprise you

Cinnamon is a spice used in Indian kitchen which is beneficial for health as well as taste. It contains nutrients like vitamins, calcium, iron. At the same time, it is also rich in antioxidant anti-inflammatory and anti-microbial properties. health. Cinnamon is rich in many medicinal cinnamon water every morning will be These spices not only enhance the taste of food is one of them. Cinnamon is rich in many place in Ayurveda. Let us tell you that cinnamon iron, magnesium, phosphorus and potassium. and anti-microbial properties. Usually you use also drink cinnamon water. This will give many weight to controlling blood sugar. Our article benefits of drinking cinnamon water. Let's to go through unbearable pain of periods every you want to get relief from this, then you must immunity If you drink cinnamon water every immunity. Being rich in antioxidant, anti-viral, from falling prey to many diseases and lose weight. It boosts metabolism. Due to this, morning, then it controls hunger. It reduces the

Drinking cinnamon water provides many benefits to your properties. It works to provide many benefits to health. Drinking beneficial. Many types of spices are used in our Indian kitchen. but also provide tremendous benefits to our health. Cinnamon medicinal properties and nutrients. It has also got an important contains many nutrients ranging from vitamin-A to calcium, At the same time, it is also rich in antioxidant, anti-inflammatory cinnamon to make vegetables, but do you know that you can benefits to your health. It can prove to be helpful from losing today is also on this topic. We will tell you what are the health know in detail - Provides relief from period pain Women have month. There are many problems like stomach pain, cramps. If drink cinnamon water. This will give you relief. Strengthen morning on an empty stomach, then it strengthens the body's anti-microbial and anti-fungal properties, cinnamon protects you infections. Lose weight Cinnamon water is an excellent way to it burns calories faster. If you drink cinnamon water every fat deposited around the stomach and waist. - Beneficial in diabetes Diabetes patients must drink cinnamon water. It keeps blood sugar under control. In such a situation, you can drink it every morning on an empty stomach. If you consume some excessive medicines, then definitely take expert advice before drinking it. Improves digestion: If you have problems like gas, bloating or heaviness in the stomach, then you must drink cinnamon water every morning on an empty stomach. It improves digestion. Along with this, stomach related problems also go away.

Karan Johar became a fan of Brad Pitt after watching the F1 film! Said- 'You will not be able to stop yourself from gasping...'

Karan Johar has praised Brad Pitt's acting in the Hollywood film F1. After watching the film, he expressed his opinion on Instagram. Johar described the film as fun and said that Brad Pitt's work is commendable. He found the climax a bit disappointing but overall he liked the story of the film. Karan Johar watched Brad Pitt's film F1 The audience is also praising the film How did Karan like Brad Pitt's film Hollywood films are also very much liked in India. These days Brad Pitt's film F1 is being discussed. The film hit the theaters on June 27 and cinema lovers started planning to watch it. After watching the film, Karan Johar has shared its review on Instagram. Let's know how the filmmaker liked the film. Karan Johar's name is included in the list of those select filmmakers who do not hesitate to praise every great film, be it English or Hindi. Famous director and producer Karan has now given his reaction through an Instagram post after watching Brad Pitt's movie. How is Brad Pitt's film? The F1 film is earning well all over the world. In such a situation, most of the viewers watching the film are constantly praising it. Now Karan Johar's name has also been included in the list of these people, because he also liked the Brad Pitt starrer film. Karan Johar wrote a note reviewing the film. In this, he said, the one-liners of the movie that you get to know from a distance. It is very funny. You will not be able to stop yourself from reaching the edge of your seat or gasping loudly. Karan Johar became a fan of Brad Pitt Karan Johar praised Brad Pitt's work in the F1 film. The filmmaker says about him that Brad Pitt's work is praiseworthy. Although he is a little disappointed with the climax, overall he found the story of the film good and interesting. Brad Pitt's acting also won his heart.

Panchayat 4's 'Rinki' did not want to kiss the secretary, the makers had to change the script

Panchayat 4 These days, the web series Panchayat Season 4 is being discussed a lot. In this series, the love story of Secretary and Rinki has reached its peak. But do you know that Sanvikaa had refused to kiss actor Jitendra Season 4 of Panchayat became a kissing scene in the series On Panchayat was released. In USP of this season was the love daughter Rinki (Sanvika). scene was to be shown between feeling uncomfortable in this and matter in a little more detail. 4, the love story of Rinki and the been shown between these two in romantic, the makers had also on the request of Sanvika. has revealed this and said - This we have added a kissing scene in Secretary. I was not comfortable refused. Because Panchayat is a the audience to this scene, it was it. Later the makers had to Season 4, you will know that a Secretary on top of the water blacked out. Under which that

Kumar. Secretary and Rinki's love story is amazing topic of discussion Changes were made regarding the June 24, Season 4 of India's most entertaining web series which Phulera has completely transformed. But the story of Secretary (Jitendra Kumar) and Pradhan ji's Meanwhile, now the news is coming out that a kissing Rinki and Secretary in Panchayat 4. But Sanvika was she clearly refused the makers to do so. Let's know the Rinki refused to kiss the Secretary In Panchayat Season Secretary is seen flourishing. Romantic scenes have also the series. To make their on-screen chemistry even more included a kissing scene in it, which had to be changed Recently, in an interview given to Just to Filmy, Sanvika season's director Akshat had informed me that this time Panchayat, which will be between you and the in this and I asked him for two days and after thinking, family entertainer and what would be the reaction of forcing me to think. For this reason I did not agree to change this scene. However, on watching Panchayat kissing scene has been shown between Rinki and the tank, but when both of them come close, the screen is kissing scene was just a show. Panchayat 4 was successful The way Amazon Prime Video's web series Panchayat Season 4 has received response from the audience and critics, it can be clearly said that the new season of Panchayat has also been successful.

Poonam Dhillon told the dark truth of the TV industry regarding payment, said- 'money is not received for three months'

Poonam Dhillon On Late Payment Bollywood's veteran actress Poonam Dhillon is considered everyone's favorite. Recently Poonam has revealed that there is a lot of struggle in the TV industry regarding payment and celebs have to wait for three months in exchange for their hard-earned money. Celebs do not get money on time Poonam Dhillon made a big revelation Poonam is a veteran Bollywood actress Popular 80s actress Poonam Dhillon is one of the veteran actresses of cinema. Poonam, who left a mark of brilliant acting from the big screen to the small screen in her acting career, has recently made a revelation that has put everyone in thinking. According to Poonam Dhillon, there is a lot of struggle in the TV industry regarding payment. Celebs have to wait for three months to get their hard work paid. Let's know what else she has said. Money is received late in the TV industry Poonam Dhillon has ruled not only Hindi cinema but also the small screen as an actress. She has shown her brilliant acting skills in many TV serials. In this sense, she is well aware of every aspect of the TV industry. Recently, in a media interview given to news agency ANI, Poonam has raised the issue of delayed payment in the TV industry and exposed the dark truth. She has said - There was a time when artists used to get money immediately after their work was over. Be it a day's work or a contract signed for a project. But this is not the case today. Especially in the TV world, celebs have to face a lot of problems regarding payment. Now the artists working on the small screen get paid after 90 days. Now just think how can someone survive without money for three months. Things used to be a lot easier 20 years ago, but now getting late payment is a matter of concern. In this way, Poonam Dhillon has raised objection over the late salary received by TV actors. Let us tell you that she is the president of Cine and Television Artistes Association (CINTAA). Poonam has been seen in these TV shows Poonam Dhillon started her acting career with the 1978 film Trishul. Since then, she has been active in Bollywood. Not only movies, Poonam has also worked in many TV serials as an actress, whose names are as follows- Andaaz Kitty Party Bigg Boss 3 Ek Nayi Pehchaan Dil Hi Toh Hai Pratigya